राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 28 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-159 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीन शतकों से भारत ने टाली हार, जडेजा-सुंदर ने लगाया पार, मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ

नई दिल्ली ।भारत-इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ हो गया। चट्टान की तरह अड़े जडेजा-सुंदर ने नाबाद 203 रन की साझेदारी करके पारी की हार से बचाया, दोनों के शतक ऐतहासिक बन गए। इससे पूर्व इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने भारतीय बैटर्स को मैच बीच में ड्रॉ पर समाप्त करने का प्रस्ताव दिया, लेकिन जडेजा और सुंदर ने इससे इनकार कर दिया और बैटिंग जारी रखने की बात कही, क्योंकि दोनों शतक के करीब थे। रविवार को मैच के 5वें दिन भारत के केवल दो विकेट गिरे। टीम इंडिया ने लंच ब्रेक से पहले कप्तान शुभमन गिल (103) और केएल राहुल (90 रन) के विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में टीम इंडिया पर पारी की हार का खतरा मंडरा रहा था। आज भारतीय टीम ने 174/2 के स्कोर दिन की शुरुआत की। इंग्लैंड ने पहली पारी में 311 रन की बढ़त ली। टीम 669 रन पर ऑलआउट हुई, जबकि भारतीय टीम 358 रन पर ऑलआउट हुई। कप्तान शुभमन गिल ने इस सीरीज में चौथा शतक लगाया है। उन्होंने एक सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले कप्तानों की लिस्ट में सर डॉन ब्रैडमैन और सुनील गावस्कर के 4-4 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। शुभमन गिल बतौर कप्तान डेब्यू सीरीज में 4 शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले वार्विक आर्मस्ट्रॉन्ग, डॉन ब्रैडमैन, ग्रेग चैपल, विराट कोहली और स्टीव स्मिथ ने बतौर कप्तान अपनी पहली टेस्ट सीरीज में 3-3 शतक लगाए थे। रवींद्र जडेजा के इंग्लैंड में 1000 रन पूरे हो गए हैं। इतना ही नहीं, वे 34 विकेट भी ले चुके हैं। जडेजा विदेशी पिचों पर ऐसा करने वाले तीसरे प्लेयर हैं। उनसे पहले इंग्लैंड के बिल फर्ड रोड्स और वेस्टइंडीज के गैरी सोवर्स यह उपलब्ध हासिल कर चुके हैं।

रेव पार्टी में पूर्व मंत्री के दामाद गिरफ्तार

पुणे (एजेंसी)। पुणे पुलिस ने शनिवार देर रात एक रेव पार्टी पर छापेमारी में एनसीपी(एसपी) नेता और पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर को गिरफ्तार किया है। अपार्टमेंट से गांजा, शराब और हुक्का जब्त किया गया है। कुल 7 लोगों की गिरफ्तार हुई है, जिसमें 2 महिलाएं शामिल हैं। दामाद की गिरफ्तारी पर खडसे ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई के पीछे कोई राजनीतिक मकसद तो नहीं, इसकी जांच होनी चाहिए। वहीं शिवसेना (यूबीटी) नेता सुषमा अंधारे ने कहा कि यह छापा उन लोगों के लिए संदेश है, जो सरकार के खिलाफ बोलते हैं। प्रांजल, एकनाथ खडसे की बेटी रोहिणी खडसे के पति हैं। रोहिणी एनसीपी(एसपी) की महिला यूनिट की प्रदेश अध्यक्ष हैं।

फूड पॉइजनिंग से 64 छात्राएं अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के नागरकुरनूल में एक सरकारी बालिका आवासीय स्कूल की 64 छात्राओं को फूड पॉइजनिंग के कारण अस्पताल में भर्ती करवाया गया। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि छात्राओं को उल्टी, दस्त और पेट दर्द के लक्षणों के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उनमें से 50 को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। अब इस मामले की जांच की जा रही है।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को जान से मारने की धमकी

-अपराधी ने कहा- 24 घंटे में गोली मार दूंगा

पटना (एजेंसी)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को हत्या की धमकी दी गई है। अपराधियों ने उनके समर्थक के नंबर पर मैसेज भेजा। इसमें अपराधी ने डिप्टी सीएम को अगले 24 घंटे के अंदर गोली मारने की धमकी दी है। घटना के बाद सियासी गलियारे में हड़कंप मच गया। फौरन पुलिस को इस मामले की जानकारी दी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इधर, इस मामले में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि जिसको जो करना है कर लें। मैं इस तरह की धमकी से डरने वाला नहीं हूं। बिहार की जनता के लिए काम करता हूं और करता रहूंगा। बिहार की जनता जानती है कि मैं राज्य के विकास में लगा हूं और लगा ही रहूंगा। बताया जा रहा है कि डिप्टी सीएम के समर्थक के व्हाट्सएप पर मैसेज आया। इसमें लिखा है कि हेलो सर। 24 घंटे के अंदर सम्राट चौधरी को मैं अंदर गोली मार दूंगा। सच बोल रहा हूं। समर्थक ने इस बात की जानकारी फौरन डिप्टी सीएम और उनके सुरक्षाकर्मियों को दी। सुरक्षाकर्मी ने मोबाइल नंबर (6367263657) की जांच की तो पता चला कि उसका नाम टूकॉलर में विक्रम यादव नाम आ रहा है। इधर, पटना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पटना पुलिस का कहना है कि पुलिस मोबाइल नंबर की डिटेल खंगाल रही है और धमकी देने वाले के लोकेशन का पता लगाने में जुटी है।

सीमा विवाद सुलझाने मलेशिया में शांति वार्ता करेंगे थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री और कंबोडिया के प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई और कंबोडिया के प्रधानमंत्री हन मैनेट सोमवार, 28 जुलाई 2025 को मलेशिया में अपनी सीमा विवाद को सुलझाने के लिए शांति वार्ता करेंगे। यह वार्ता मलेशिया के प्रधानमंत्री और आसियान अध्यक्ष अनवर इब्राहिम द्वारा आयोजित की जाएगी। थाई प्रधानमंत्री कार्यालय ने रविवार को इसकी पुष्टि की। इस वार्ता में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मध्यस्थता की भूमिका भी शामिल है। यह कदम चार दिनों से चल रहे घातक सीमा विवाद को समाप्त करने के लिए उठाया गया है, जिसमें अब तक कम से कम 34 लोगों की मौत हो चुकी है और 1,68,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

पीएम मोदी ने सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती पर स्मारक सिक्का जारी कर कहा-

चोल साम्राज्य ने भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाया

चेन्नई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के अरियालुर जिले स्थित गंगैकोंडा चोलपुरम में चोल वंश के महान शासक सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती पर आयोजित ऐतिहासिक आदि तिरुवथिरई उत्सव के समापन समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने राजेंद्र चोल के सम्मान में एक स्मारक सिक्का जारी किया।

पीएम मोदी अपनी दो दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन रविवार को तमिलनाडु के अरियालुर जिले में गंगैकोंडा चोलपुरम पहुंचे थे। वे यहां चोल वंश के महान सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम के जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित ऐतिहासिक आदी तिरुवथिरई उत्सव के समापन समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में भाल लेने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने हेलीपैड से बृहदीश्वर मंदिर तक रोड शो भी किया। इस दौरान मार्ग के दोनों ओर उपस्थित लोगों ने झंडे लहराकर और नारे लगाकर पीएम मोदी का स्वागत किया। गांव को फूलों, पारंपरिक बैनरों और चोल-युग के प्रतीकों से सजाया गया था। इस कार्यक्रम में पीएम

मोदी ने कहा, कि यह भूमि राजराजा की आस्था की भूमि है और इलैयाराजा ने हम सभी को शिव भक्ति में डुबो दिया। उन्होंने कहा कि मैं काशी से सांसद हूं। और जब मैं ऊं नमः शिवाय सुनता हूं, तो मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इसी के साथ चोल वंश के संदर्भ में पीएम मोदी ने कहा कि इतिहासकारों का मानना है कि चोल साम्राज्य का दौर भारत के स्वर्णिम-काल में से एक रहा। भारतीय परंपरा को भी चोल साम्राज्य ने आगे बढ़ाया था। यह साम्राज्य सिर्फ भारत तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने समुद्र पार भी भारतीय संस्कृति और शक्ति को पहुंचाया। ऐसे राजा राजेंद्र चोल को मैं नमन करता हूं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि मैंने आज इस ऐतिहासिक मंदिर में 140 करोड़ भारतीयों के कल्याण और देश की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की है। मेरी यही कामना है कि सभी को भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त हो।

सम्राट राजेंद्र चोल की विरासत

गंगैकोंडा चोलपुरम का अर्थ है– गंगा को जीतने वाले चोल का शहर। इसे सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम ने गंगा के मैदानों तक अपनी विजयी सैन्य यात्रा के बाद स्थापित किया था। उन्होंने इसे राजधानी बनाया और बृहदीश्वर मंदिर व चोलगंगम झील का निर्माण कराया, जो उनकी शक्ति और दूरदर्शिता के प्रतीक हैं।

स्मारक सिक्के का महत्व

गंगैकोंडाचोलपुरम विकास परिषद ट्रस्ट के अध्यक्ष आर. कोमागन के अनुरोध पर यह सिक्का जारी किया गया। यह सिक्का, राजेंद्र चोल के शासनकाल, स्थापत्य उपलब्धियों,और दक्षिण-पूर्व एशिया तक उनके साम्राज्य के सांस्कृतिक प्रभाव को सम्मानित करता है।

आज बच्चों में विज्ञान और अंतरिक्ष को लेकर नई जिज्ञासा पैदा हुई

– पीएम मोदी ने मन की बात में इंस्पायर मानक योजना का किया जिक्र

नई दिल्ली । पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 124वें एपिसोड में अंतरिक्ष से शुभांशु शुक्ला की वापसी को गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों में विज्ञान, अंतरिक्ष को लेकर एक नई जिज्ञासा पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में, चाहे वह खेल हो, विज्ञान हो या संस्कृति, बहुत कुछ ऐसा हुआ है जिस पर हर भारतीय को गर्व है। हाल ही में अंतरिक्ष से शुभांशु शुक्ला धरती पर उतरे, लोग खुशी से उछल पड़े। पूरा देश गर्व से भर गया। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे याद है जब अगस्त 2023 में चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग हुई थी, तो देश में एक नया माहौल था। बच्चों में भी विज्ञान और अंतरिक्ष को लेकर एक नई जिज्ञासा पैदा हुई थी। छोटे-छोटे बच्चे अब कहते हैं कि हम भी अंतरिक्ष में जाएंगे, चांद पर उतरेंगे और हम वैज्ञानिक बनेंगे। इंस्पायर मानक योजना का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि इस अभियान का नाम तो सुना ही होगा। यह बच्चों में नवाचार को बढ़ावा देने का अभियान है। इसमें हर स्कूल से पांच बच्चे चुने जाते हैं। हर बच्चा एक नया विचार लेकर आता है। अब तक लाखों बच्चे इससे जुड़ चुके हैं और चंद्रयान-3 के बाद इनकी संख्या दोगुनी हो गई है। उन्होंने कहा कि देश में अंतरिक्ष स्टार्टअप भी तेजी से बढ़ रहे हैं। पांच साल पहले, 50 से भी कम स्टार्टअप थे। आज सिर्फ अंतरिक्ष क्षेत्र में ही 200 से ज्यादा स्टार्टअप हैं। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि अगले महीने 23 अगस्त को नेशनल स्पेस-डे है। आप इसे कैसे मनाएंगे? क्या आपके पास कोई नया आइडिया है? अगर है तो मुझे नमो ऐप पर संदेश जरूर भेजें। पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के भारत में विज्ञान नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। कुछ दिन पहले हमारे छात्रों ने इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में पदक जीते। देवेश पंकज, संदीप कुची, देबदत्त प्रियदर्शी और उज्ज्वल केसरी ने देश का नाम रोशन किया। गणित की दुनिया में भी भारत ने अपनी छवि मजबूत की है। ऑस्ट्रेलिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में हमारे छात्रों ने 3 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य पदक जीता है। उन्होंने कहा कि अगले महीने मुंबई में खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी ओलंपियाड होने वाला है। इसमें 60 से ज्यादा देशों के छात्र भाग लेंगे। वैज्ञानिक भी होंगे। यह अब तक का सबसे बड़ा ओलंपियाड होगा। एक तरह से भारत अब ओलंपिक और ओलंपियाड दोनों के लिए आगे बढ़ रहा है।

मंशा देवी सीढी पैदल मार्ग पर करंट फैलने की अफवाह से मची भगदड, 06 की मौत

हरिद्वार (एजेंसी)। मंशा देवी सीढी पैदल मार्ग पर आज सुबह करंट फैलने की अफवाह के दौरान भगदड मच गयी। इस दौरान मंशा देवी मन्दिर दर्शानार्थ जा रहे श्रद्धालुओं की भीड बेकाबू हो गयी। और अपनी जान बचाने के जदोहद में श्र)ालु एक के ऊपर गिरते चले गये, जिनको उठने का मौका नहीं मिला। घटना से वहां पर चिख पुकार मच गयी। घटना से मंशा देवी परिसर में अफरा-तफरी मच गयी। सूचना पर मन्दिर परिसर समेत आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर दबे लोगों को बाहर निकाल कर उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना पर प्रशासन में हड़कम्प मच गया। सूचना पर डीएम, एसएसपी, एसपी सिटी समेत तमाम आलाधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे। जिन्होंने घटना की जानकारी जुटाते हुए घायलों के उपचार के चिकित्सकों को निर्देश दिये। भगदड की घटना में 06 लोगों के मौत हो जाने और 28 लोगों के घायल होने की प्रशासन की ओर से पुष्टि की गयी है। जिनमें 05 घायलों की हालत गम्भीर देखते हुए उनको हॉयर सेंटर एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंशा देवी मन्दिर सीढी पैदल मार्ग पर आज सुबह करीब 9 बजे बिजली की तारों में स्पार्किंग होने से करंट फैलने की अफवाह से भगदड मच गयी। बताया जा रहा हैं कि उस वक्त सैकड़ों श्रद्धालुओं की भीड मां मंशा देवी मन्दिर जाने के लिए लाइन में लगे थे। करंट फैलने की अफवाह से अपनी जान बचाने के जद्दोजहद के चलते एक के ऊपर एक श्रद्धालु गिरते चले गये। जिनको उठने का मौका नहीं मिला। घटना से मौके पर चीख पुकार मच गयी। भगदड की सूचना पर मन्दिर परिसर में अफरा-तफरी मच गयी। मन्दिर परिसर में मौजूद और आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े। जिन्होंने दबे हुए लोगों को बामुश्किल बाहर निकाल कर उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन में हड़कम्प मच गया। डीएम मयूर दीक्षित, एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल समेत तमाम आलाधिकारी और आसपास के थानों की फोर्स जिला अस्पताल पहुंची। वहीं एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों को भी घटना स्थल पर रवाना किया गया, जोकि रेस्क्यू में जुट गयी। प्रशासन की ओर से भगदड की घटना में 06 लोगों की मौत और 28 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। चिकित्सकों ने 5 गम्भीर घायलों को उपचार के लिए हॉयर सेंटर ऋषिकेश रेफर किया गया है। मृतकों में आरूष पुत्र पंकज ऊर्फ प्रवेश उम्र 12 वर्ष निवासी सौदा बरेली यूपी, शकल देव पुत्र बेचान उम्र 18 वर्ष निवासी अररिया बिहार, विक्की पुत्र रिक्का राम सैनी उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम विलासपुर रामपुर यूपी, विपिन सैनी पुत्र रघुवीर सिंह सैनी उम्र 18 वर्ष निवासी वसुवाखेरी काशीपुर उत्तराखण्ड, वकील पुत्र भरत सिंह निवासी मौहतलवाद बाराबंकी यूपी और श्रीमती शांति पत्नी राम भरोसे निवासी बदांयू यूपी शामिल है। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्ट मे पश्चात उनके परिजनों के सुपूर्द कर दिया।

उत्तराखंड में भारी बारिश बनी आफत, रुद्रप्रयाग में बादल फटने से तबाही

- मौसम विभाग ने तीन जिलों को किया अलर्ट, मचने वाला है हाहाकार

देहरादून (एजेंसी)।(ईएमएस)। उत्तराखंड में इस बार की बारिश राहत के बजाय भारी आफत लेकर आई है। पर्वतीय जिलों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। विशेष रूप से रुद्रप्रयाग जिले के रुमसी गांव में शुक्रवार देर रात बादल फटने की गंभीर घटना ने प्रदेश के संवेदनशील मौसम की सच्चाई को एक बार फिर सामने ला दिया है। इस आपदा से बेडुबगड़ क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, जहां मलबे ने कई आवासीय मकानों को अपनी चपेट में लिया और छह से अधिक वाहन मलबे में दब गए। तेज आवाज के साथ बादल फटने की घटना ने ग्रामीणों में भय और दहशत फैलाई। मौसम विभाग ने रविवार 27 जुलाई को नैनीताल, चंपावत और बागेश्वर जिलों के लिए भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसका मतलब है कि मौसम की स्थिति गंभीर हो सकती है और प्रशासन को सतर्क रहने की आवश्यकता है। वहीं, देहरादून, टिहरी, पौड़ी और पिथौरागढ़ जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में भी तेज गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है। देहरादून में आंशिक बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। तापमान 24 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में बारिश से भूस्खलन, सड़क बंद होना और जनजीवन प्रभावित होने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। प्रशासन ने सभी जिलों के आपदा प्रबंधन केंद्रों को अलर्ट पर रखा है और जनता से अपील की है कि वे बिना अत्यावश्यक काम के पहाड़ी इलाकों की यात्रा न करें। साथ ही, नदी-नालों के किनारे जाने से बचें और मौसम विभाग की ताजा सूचनाओं पर नजर बनाए रखें।

संसद के दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर पर 16-16 घंटे होगी बहस, सदन में सरकार को घेरने के लिए कांग्रेस तैयार

लोकसभा में आज ऑपरेशन सिंदूर पर होगी महाबहस

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मॉनसून सत्र में सोमवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे लंबी चर्चा की शुरुआत होगी। इस चर्चा की अगुवाई रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दोपहर 12 बजे करेंगे। इसके बाद मंगलवार से राज्यसभा में भी ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर 16 घंटे की बहस होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी चर्चा में शामिल होने की संभावना है। संसद में इस महत्वपूर्ण विषय पर सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस चर्चा के लिए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह और तीनों सेना प्रमुखों के साथ कई बैठकें की हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, चर्चा में गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर और निशिकांत दुबे भी शामिल होंगे। सरकार इस चर्चा को पूरी आक्रामकता के साथ रखने की तैयारी में है। खास बात ये है कि ये बहस करगिल विजय दिवस (26 जुलाई) के ठीक बाद हो रही है, और सरकार इसे विजय दिवस की तरह पेश करने की तैयारी में है।

लोकसभा और राज्यसभा में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर खास बहस से पहले कांग्रेस ने सरकार को घेरने की रणनीति बना ली है। पार्टी ने रविवार को ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े उन तमाम घटनाक्रमों को सामने रखा, जो अब तक चर्चा में थे लेकिन औपचारिक बहस से बाहर रहे। खास बात यह रही कि कांग्रेस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को भी मुद्दा बनाया है, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने भारत पर व्यापार रोकने की धमकी देकर ऑपरेशन सिंदूर को रुकवाया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद कांग्रेस ने तुरंत दो दिन का विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी, लेकिन सरकार ने तब कोई सुनवाई नहीं की। रमेश ने कहा कि अभी जो 16 घंटे की बहस लोकसभा में और उसके बाद राज्यसभा में होने जा रही है, वह देर से हो रही है लेकिन अच्छा है कि हो रही है।

विपक्ष मांग रहा जवाब

ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर विपक्ष भी सरकार से जवाब मांग रहा है। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाए। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी ने इस बहस के लिए समय निर्धारित किया। सरकार ने स्पष्ट किया है कि वो ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तार से चर्चा के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा था कि सरकार देश के सामने सभी सच्चाई रखने को

तैयार है। जयराम रमेश ने बताया कि 30 मई को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने सिंगापुर में स्वीकार किया था कि ऑपरेशन सिंदूर के पहले दो दिन रणनीतिक चूकें हुईं। इसके बाद 29 जून को इंडोनेशिया में भारतीय रक्षा अधिकारी ग्रुप कैप्टन शिव कुमार ने संकेत दिया कि राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते ऑपरेशन प्रभावित हुआ और भारतीय वायुसेना को भी नुकसान उठाना पड़ा।

मौजूदा दौर में युद्ध केवल बंदूकों और गोलियों से नहीं जीते जाते : राजनाथ सिंह

- रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन %सिंदूर% की सफलता के पीछे विभिन्न एजेंसियों की भूमिका को सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि मौजूदा दौर में युद्ध केवल बंदूकों और गोलियों से नहीं जीते जाते, बल्कि विभिन्न रणनीतियों से जीते जाते हैं। ऑपरेशन 'सिंदूर' की सफलता के पीछे विभिन्न एजेंसियों की भूमिका के बारे में उन्होंने कहा कि इस दौरान रसद प्रबंधन करके हमारी सेनाओं को जुटाने से लेकर उनके प्रशिक्षण के साजो-सामान को समय और स्थान पर सलाह दी गई। रसद प्रबंधन को केवल सामान पहुंचाने की प्रक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि इसे एक रणनीतिक महत्व के रूप में देखा जाना चाहिए। चाहे हम सीमा पर लड़ रहे सैनिकों की बात करें या आपदा प्रबंधन में जुटे कर्मियों की, अगर आपसी तालमेल नहीं होगा, अगर संसाधन का सही इस्तेमाल नहीं होगा, तो मजबूत से मजबूत इरादे भी कमजोर पड़ जाएंगे।

रक्षा मंत्री वडोदरा (गुजरात) में गति शक्ति विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत में अभूतपूर्व बुनियादी ढांचे का विकास हुआ है। इस बदलाव की बुनियाद में एक समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण के साथ महत्वपूर्ण नीतिगत सुधार और मिशन-मोड परियोजनाएं चल रही हैं। इसका प्रभाव केवल भौतिक कनेक्टिविटी तक सीमित नहीं है, बल्कि आर्थिक उत्पादकता में वृद्धि हुई है, लॉजिस्टिक लागत में कमी आई है और सेवा वितरण भी बेहतर हुआ है। पिछले 11 वर्षों में भारत ने इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के क्षेत्र में एक युगांतकारी परिवर्तन देखा है। पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत रेलवे, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, जन परिवहन और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे विकास के सात शक्तिशाली स्तंभ समूह भारत की अर्थव्यवस्था को एक मजबूत नींव दे रहे हैं।

उन्होंने यह गति शक्ति विश्वविद्यालय के बारे में कहा कि यह सिर्फ एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि यह अपने आप में एक विचार है, एक गति है, एक मिशन है। यह भारत को तेज, संगठित और समन्वित रूप से आगे बढ़ाने की राष्ट्रीय आकांक्षा को मूर्त रूप दे रहा है। यह विश्वविद्यालय अपने नाम की तरह ही 'गति' और 'शक्ति' दोनों का सजीव उदाहरण है। आज देश में यदि कोई उत्पाद उत्तर पूर्व में तैयार होता है और वह समय पर दिल्ली या मुंबई के बाजार तक

पहुंचता है, तो यह रसद प्रणाली की दक्षता का ही प्रमाण है। यह संस्थान शुद्ध रूप से व्यावहारिक ज्ञान पर जोर देता है। यहां केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि वास्तविक समस्याओं के समाधान सिखाए जाते हैं। यही विशेषता इसे देश के अन्य विश्वविद्यालयों से अलग बनाती है। रक्षा मंत्री ने दीक्षांत समारोह में शामिल छात्रों से कहा कि यह केवल आपके डिग्री लेने का क्षण नहीं है, बल्कि यह एक संकल्प लेने का भी क्षण है कि आप देश को अधिक सुरक्षित और अधिक सक्षम बनाने की इस यात्रा में अपनी भूमिका निभाएंगे। गति शक्ति विश्वविद्यालय से निकलने वाले आप सभी विद्यार्थी देश की रीढ़ को मजबूत करेंगे। आप अपनी गति से देश को शक्ति प्रदान करेंगे ऐसी मेरी कामना है। यहां से निकलने वाले छात्र अपने ज्ञान को केवल नौकरी की सीमा में मत बांधें। आप समस्या समाधानकर्ता बनिए। भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनना है, उसके लिए हमें स्मार्ट लॉजिस्टिक सिस्टम की भी जरूरत है।

भारत ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का संदेश दुनिया को दिया है: शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारत ने पूरी दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का स्पष्ट संदेश दिया है। आज के परिवेश में भारत में भारत अब नई और उभरती प्रौद्योगिकियों, स्टार्ट-अप्स, हरित ऊर्जा और नवाचारों में विश्व में अग्रणी है। भारत सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इसके साथ ही देश के सामने चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। हमें और अधिक सतर्क रहना होगा और समस्याओं का समाधान अधिक जागरूकता के साथ करना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का बढ़ता कद आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों को और बढ़ाएगा। इन चुनौतियों से बेहतर समन्वय के माध्यम से निपटने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने रणनीति विकसित करने, उन्हें लागू करने और उनकी निगरानी के लिए केंद्र और राज्य एजेंसियों की समरूप टीमों के गठन का निर्देश दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आखिर कब समझेंगे हम प्रकृति की मूक भाषा?

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस (28 जुलाई) पर विशेष)

पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इन प्रजातियों के लुप्त होने का सीधा असर समस्त मानव सभ्यता पर पड़ना अवश्वम्भावी है। प्रदूषित हो रहे पर्यावरण के आज जो भयावह खतरे हमारे सामने आ रहे हैं, उनसे शायद ही कोई अनभिज्ञ हो और हमें यह स्वीकार करने से भी गुरेज नहीं करना चाहिए कि इस तरह की समस्याओं के लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार हम स्वयं भी हैं। सबसे पहले यह जानना बेहद जरूरी है कि प्रकृति आखिर है क्या? प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जल, जंगल और जमीन, जिनके बगैर प्रकृति अधूरी है और यह विड़म्बना ही है प्रकृति के इन तीनों ही तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका संतुलन डगमगाने लगा है, जिसकी परिणति अक्सर भयावह प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने भी आने लगी है। प्राकृतिक साधनों के अंधाधुंध दोहन और प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही नतीजा है कि पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर तो प्रतिकूल प्रभाव पड़ ही रहा है, जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां भी लुप्त हो रही हैं। पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है।

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए जल, जंगल, वन्य जीव और वनस्पति, इन सभी का संरक्षण अत्यावश्यक है। दुनियाभर में पानी की कमी के गहराते संकट की बात हो या ग्लोबल वार्मिंग के चलते धरती के तपने की अथवा धरती से एक-एक कर वनस्पतियों या जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने की, इस तरह की समस्याओं के लिए केवल सरकारों का मुंह ताकते रहने से ही हमें कुछ हासिल नहीं होगा बल्कि प्रकृति संरक्षण के लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर अपना योगदान देना होगा। प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफ़ानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। हमारे जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ हवा के लिए जाने जाते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी अब तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है, वहां भी बाढ़ का ताण्डव देखा जाने लगा है। इसका एक बड़ा कारण पहाड़ों में भी विकास के नाम पर जंगलों का सफाया करने के साथ-साथ पहाड़ों में बढ़ती पर्यटकों की भारी भीड़ भी है। कोई भी बड़ी प्राकृतिक आपदा सामने आने पर हम आदतन प्रकृति को कोसना शुरू कर देते हैं लेकिन हम नहीं समझना चाहते कि प्रकृति तो रह-रहकर अपना रौद्र रूप दिखाकर हमें सचेत करने का प्रयास करती रही है कि अगर हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

प्रकृति हमारी मां के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढ़ेरों बहुमूल्य चीजें प्रदान करती है लेकिन अपने स्वार्थों के चलते हम अगर खुद को ही प्रकृति का स्वामी समझने की भूल करने लगे हैं तो फिर भला प्राकृतिक तबाही के लिए प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं बल्कि दोषी तो हम स्वयं हैं, जो इतने साधनपरस्त और आलसी हो चुके हैं कि अगर हमें अपने घर से थोड़ी ही दूरी से भी कोई सामान लाना पड़े तो पैदल चलना हमें गवारा नहीं। इस छोटी सी दूरी के लिए भी हम स्कूटर या बाइक का सहारा लेते हैं। छोटे-मोटे कार्यों की पूर्ति के लिए भी निजी यातायात के साधनों का उपयोग कर हम पैट्रोल, डीजल जैसे धरती पर ईंधन के सीमित स्रोतों को तो नष्ट कर ही रहे हैं, पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं और पैदल चलना छोड़कर अपने स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ रहे हैं। हमारे क्रियाकलापों के चलते ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतना बढ़ गया है कि हमें वातावरण में इन्हीं प्रदूषित तत्वों की मौजूदगी के कारण सांस की बीमारियों के साथ-साथ टीबी, कैंसर जैसी कई और असाध्य बीमारियां जकड़ने लगी हैं। पैट्रोल, डीजल से पैदा होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड और ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है।

पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए जरूरत है कि हम अपने-अपने स्तर पर वृक्षारोपण में दिलचस्पी लें और पौधारोपण के पश्चात् उन पौधों की अपने बच्चों की भांति ही देखभाल भी करें। पर्यावरणीय असंतुलन के बढ़ते खतरों के मद्देनजर हमें खुद सोचना होगा कि हम अपने स्तर पर प्रकृति संरक्षण के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। अगर हम वाकई चाहते हैं कि हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां साफ-सुथरे वातावरण में बीमारी मुक्त जीवन जीएं तो हमें अपनी इस सोच को बदलना होगा कि यदि सामने वाला व्यक्ति कुछ नहीं कर रहा तो मैं ही क्यों करूं? अपनी छोटी-छोटी पहल से हम सब मिलकर प्रकृति संरक्षण के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। हम प्रयास कर सकते हैं कि हमारे दैनिक क्रियाकलापों से हानिकारक कार्बन डाई ऑक्साइड जैसी गैसों का वातावरण में उत्सर्जन कम से कम हो। पानी की बचत के तरीके अपनाते हुए जमीनी पानी का उपयोग भी हम केवल अपनी आवश्यकतानुसार ही करें।

जहां तक संभव हो, वर्षा के जल को सहेजने के प्रबंध करें। प्लास्टिक की थैलियों को अलविदा कहते हुए कपड़े या जूट के बने थैलों के उपयोग को बढ़ावा दें। बिजली बचाकर ऊर्जा संरक्षण में अपना अमूल्य योगदान दें। आज के डिजिटल युग में तमाम बिलों के ऑनलाइन भुगतान की ही व्यवस्था हो ताकि कागज की बचत की जा सके और कागज बनाने के लिए वृक्षों पर कम से कम कुल्हाड़ी चले। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने की जरूरत अब कई गुना बढ़ गई है। कितना ही अच्छा हो, अगर हम सब प्रकृति संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लेते हुए अपने-अपने स्तर पर उस पर ईमानदारी से अमल भी करें। प्रकृति बार-बार अपनी मूक भाषा में चेतावनियां देकर हमें सचेत करती रही है, इसलिए स्वच्छ और बेहतर पर्यावरण के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति की इस मूक भाषा को समझें और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना-अपना योगदान दें।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार और चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के लेखक हैं)

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन से घटती जीवन प्रत्याशा

निर्विवाद रूप से जलवायु परिवर्तन से उपजी चुनौतियों का सामना आज समाज का हर वर्ग कर रहा है। खासकर विकासशील व गरीब देशों की स्थितियां विकट हैं जहां पर्यावरणीय प्रदूषण व लचर स्वास्थ्य सेवाओं के चलते स्थिति गंभीर बनी हुई है। विशेष तौर पर इन दिनों जब अमेरिका-यूरोप समेत एशिया के तमाम देश भीषण गर्मी की चपेट में हैं। लेकिन इसका सबसे ज्यादा असर विभिन्न रोगों से जूझ रहे बुजुर्गों पर ज्यादा पड़ रहा है। जिसकी पुष्टि संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम यानी यूएनइपी की ताजा रिपोर्ट करती है। चौंकाने वाली रिपोर्ट बताती है कि बीती सदी में नब्बे के दशक के बाद से लेकर अब तक भीषण गर्मी से बुजुर्गों की मौत में पिच्चासी फीसदी की वृद्धि हुई है। दरअसल, यूएनइपी की यह रिपोर्ट बुजुर्गों के समक्ष दरपेश गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों की ओर इशारा करती है। यह संकट लचर स्वास्थ्य सेवाओं व प्रदूषित वातावरण वाले गरीब व विकासशील मुल्कों में ज्यादा है। दरअसल, बुजुर्गों पर बढ़ते इस संकट की मूल वजह बड़ी उम्र में आंतरिक तापमान को नियंत्रण में करने की क्षमता घटना है। जिससे वे मौसम की तीव्रता को सहन नहीं कर पाते। फलतः गर्मी व ठंड की तीव्रता को सहन करने में उनका शरीर सक्षम नहीं हो पाता। कुल मिलाकर उनकी कम होती रोग प्रतिरोधक क्षमता गंभीर बीमारियों का कारण बनती है। वैसे भी मौसम के चरम का असर उन लोगों के लिये ज्यादा संवेदनशील होता है जो बढ़ती उम्र के रोगों से जूझ रहे होते हैं। ऐसे में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रहे देशों को बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा देने के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना चाहिए। दरअसल, पर्यावरण प्रदूषण इस संकट को और गहरा कर रहा है। खासकर शहरों में स्थिति ज्यादा विकट है, जहां बुजुर्ग बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के प्रलोभन में आ बसते हैं। फलतः मरीजों के दबाव से स्वास्थ्य सेवाएं भी चरमराने लगती हैं। जिसकी कीमत बुजुर्गों को चुकानी पड़ती है। सेवानिवृत्ति के बाद व्यक्ति की आय कम हो जाती है, फलतः शारीरिक क्षमता में गिरावट के बाद बढ़ती उम्र के रोगों का इलाज करा पाना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। ऐसे में यदि उनके बच्चे उनका साथ नहीं देते तो उनके लिए संकट और गहरा जाता है। निस्संदेह, बुनियादी ढांचे को मजबूत करके स्वास्थ्य सेवाओं को सस्ती व सर्व सुलभ बनाने की भी जरूरत है। जिससे संवेदनशील वर्ग के संकट के समाधान में मदद मिल सके। ऐसे में बुजुर्गों की भागीदारी सामाजिक कार्यक्रमों व आय के साधन जुटाने में बढ़ाई जानी चाहिए। जिससे शारीरिक गतिशीलता से उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सके। दरअसल,बढ़ती उम्र व बीमारियां उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम करती हैं। निस्संदेह, यदि वैश्विक तापमान में और वृद्धि होती है, तो बुजुर्गों के लिये ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के घातक परिणाम हो सकते हैं। यूएनइपी की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक तापमान में यदि औद्योगिक समय के बाद से दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है तो वर्ष 2050 के बाद बुजुर्गों की मौत के प्रतिशत में तीन सौ फीसदी से अधिक की वृद्धि हो सकती है। इस आसन्न संकट से योजनाबद्ध प्रयासों से ही निबटा जा सकता है।

रेलवे ने डी डी क्यू ई एल का सफल परीक्षण किया

(लेखक- विनोद कुमार सिंह)

भारतीय रेलवे नए तकनीकों को अपना कर विकाश के पथ पर निरंतर नया अध्याय लिख रहा है। जो भारत के अलावे दुनिया के कई देशों मे चर्चा का विषय बना हुआ है। आजकल भारत में निर्मित रेल इंजन की कई देशों माँग हो रही है। वही रेलवे अपने पारम्प पारिक तकनीकी से सुधार व अनुसंसाधन कर कार्य प्रणाली को विकसित करने में लगातार प्रयासरत है। इसी श्रंखला में विगत वर्ष एक पायलट प्रोजक्ट के तहत रेलवे ने डायरेट ड्राइव क्यूसन मेक इलेक्ट्रोनिक इन्टरलाकिंग(ई एल) सिस्टम को अपनी ट्रैफिक व्यवस्था व सुरक्षा प्रणाली को लेकर परीक्षण के तौर स्थापित किया गया है। यह प्रणाली फिलहाल पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के ताजपुर स्टेशन व उतर रेलवे के जम्मु मंडल के दीनानगर देश की पहली सफल परीक्षण किया है। आपको बता दूँ कि यह नई व्यवस्था रेलवे के यातायात संचालन व सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता को विशेष रूप सें ध्यान में रख कर बनाये गए है। इस संदर्भ में पश्चिम रेलवे के रतलाम डिवीजन के आर एस मीणा,वरिष्ट मंडल सिगनल एव दूरसंचार अभियन्ता के अनुसार पुराने पैनल इंटरलॉकिंग सिस्टम को हटाकर नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम लगाए जा रहे हैं। हमारे यहाँ पहली बार पारंपरिक तकनीक के स्थान पर अत्याधुनिक डायरेक्ट ड्राइव इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली को ताजपुर रेलवे स्टेशन पर सफलतापूर्वक स्थापित किया गया है। इस नई प्रणाली के लागू होने से पश्चिम रेलवे,डायरेक्ट ड्राइव सिस्टम को अपनाई गयी है। वहीं उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल द्वारा भी भारतीय रेलवे में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। इस नए प्रणाली के लागु होने से रेलवे के संचालन में दक्षता और सुरक्षा में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। इस नई प्रणाली की सफलता को लेकर जम्मू मंडल के रेल प्रबंधक विवेक कुमार ने डायरेक्ट इन्टर लॉकिंग सिस्टम की महत्वपूर्ण विशेषताओं के बारे में कहा कि यह प्रणाली रेलवे सिग्नलिंग और पॉइंट मशीनरी को सीधे नियंत्रित करती है,जिससे मानवीय त्रुटि की संभावना कम हो जाती है। यह सिस्टन सुनिश्चित करता है कि ट्रेनों का सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित हो,जिससे दुर्घटनाओं का जोखिम कम हो। इस प्रणाली की एक महत्वपूर्ण विशेषता ट्रेनों की आवाजाही को सुव्यवस्थित करती है व ट्रेन संचालन की दक्षता में सुधार करती है। इस से यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव भी मिलेगा। भारतीय रेलवे इस प्रणाली को अन्य रेलवे स्टेशनों पर भी लागू करने की योजना बना रही है। यह भारतीय रेलवे को आधुनिक,सुरक्षित और कुशल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यहाँ पर आप के मन में प्रशन उठना स्वाभाविक है कि यह डायरेक्ट ड्राइव सिस्टम आखिर क्या है? मै यहाँ पर स्पष्ट कर दूँ कि डायरेक्ट ड्राइव ई एल प्रणाली सिग्नलिंग गियर को सीधे नियंत्रित करती है। जो एक कंप्यूटर-आधारित प्रणाली है। जो यह सुनिश्चित करती है कि कोई सिग्नल केवल तभी क्लियर हो जब ट्रेन संचालन की सभी सुरक्षा शर्तें पूरी हो चुकी हों,उदाहरण के लिए निम्न बिन्दु के माध्यम से समझने की कोशिस करते है।

ज्संबंधित रूट के सभी पॉइंट्स सही दिशा में सेट और लॉक हों,लाइन पूरी तरह से अवरोध मुक्त हो,

ज़रूट में आने वाला लेवल क्रॉसिंग गेट बंद और सुरक्षित हो। यह प्रणाली सुनिश्चित करती है कि एक समय में केवल एक ही सिग्नल उस रूट के लिए क्लियर हो जिससे परस्पर विरोधी ट्रेन संचालन रोका जा सके।

पहले की परंपरागत ईएल सिस्टम में सिग्नलिंग गियर को ऑपरेट करने के लिए अलग से रिले की आवश्यकता होती है,जबकि नए डायरेक्ट ड्राइव ई एल प्रणाली में यह सीधे गियर को नियंत्रित करता है। यह प्रणाली गियर की स्थिति को स्वतः पहचानती है,जिससे मानवीय त्रुटियों की संभावना नगण्य हो जाती है। चुँकि रिले एक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल डिवाइस है,इससे जुड़ी तकनीकी विफलताएँ भी डायरेक्ट ड्राइव प्रणाली में बहुत कम हो जाती हैं।

इस नए डायरेक्ट ड्राइव ई एल से तकनीकी लाभ को समझने का प्रयास करते है। इसमें ऑप्टिकल फाइबर केबल के उपयोग से पारंपरिक कॉपर केबल की आवश्यकता 60-70ब तक कम हो जाती है, जिससे विद्युत तड़ित प्रभाव से सुरक्षा मिलती है। इससे रिले की संख्या भी लगभग 70ब तक कम हो जाती है, जिससे रख रखाव लागत कम होती है और किसी भी फॉल्ट का पता लगाना आसान हो जाता है। इस प्रणाली में सिगनलिंग क्षेत्र में एक क्रांतिकारी तकनीक के रूप में उभर रही है। यह न केवल संरक्षा को उच्च स्तर पर सुनिश्चित करती है, बल्कि रखरखाव में भी सुगमता और लागत में कमी लाती है। आने वालें दिनों में इस प्रणाली को अन्य रेलवे स्टेशनों पर भी लागू करने की योजना बना रहा है। जों रेलवे को आधुनिक,सुरक्षित और कुशल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होने वाला है। रेलवे कें उच्च अधिकारियों का कहना है कि इस नई प्रणाली से न केवल सुरक्षा और दक्षता में सुधार होगा,बल्कि यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव भी मिलेगा।

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है।

दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं। और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं।

मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं- हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। ऐसे ही हो तुम, जैसे सामने गंगा बहती हो और किनारे पर खड़े तुम छाती पीटते हो, चिल्लाते हो- प्यासा हूं, मैं जल चाहता हूं!' झुको और पीओ! गंगा सामने बहती है। और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

विचार मंथन

10 लाख अमीरों ने छोड़ी भारतीय नागरिकता-क्यों भाग रहे हैं अमीर ?

(लेखक-सनत कुमार जैन)

भारत, जिसे कभी प्रतिभा, परिश्रम और संभावनाओं की धरती कहा जाता था. अब भारत के लोग भारत की नागरिकता छोड़कर अन्य देशों में नागरिकता ले रहे हैं.देश चिंताजनक स्तिथि की ओर बढ़ रहा है। पिछले 6 सालों में 10,00,000 से अधिक भारतीय नागरिकों ने अपनी नागरिकता त्याग दी है। 2023 में ही 2,50,000 से ज्यादा लोगों ने भारत छोड़कर किसी अन्य देश की नागरिकता अपना ली थी। राज्यसभा में विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह नेयह जानकारी दी है। वर्ष 2019 में 1,44,017, वर्ष 2020 में 85,256, वर्ष 2021 में 1,63,370, वर्ष 2022 में 2,25,620, वर्ष 2023 में 2,16,219, वर्ष 2024 में 2,06,378 लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी है। इनमें से अधिकांश करोड़पति या हाई नेटवर्थ उद्योगपति कारोबारी और प्रोफेशनल हैं। सवाल है, इतनी बड़ी संख्या में नागरिकता छोड़कर लोग विदेश में क्यों बस रहे हैं।यह पलायन क्या केवल टैक्शेसन, दोहरी नागरिकता, बदलती हुई जीवनशैली,कानून व्यवस्था, सरकारी जांच एजेंसियों का भय इसके पीछे है ? देश की गहराती सामाजिक-आर्थिक असमानता, राजनीतिक अनिश्चितता, रोजाना बदलते नियम और कानून, बढ़ती सरकारी निगरानी के कारण लोग भारतीय नागरिकता छोड़कर विदेशी नागरिकता स्वीकार कर रहे हैं? वैश्विक वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत दुनिया का सबसे बड़ा अमीरों वाला देश बन गया है। भारत से ही सबसे ज्यादा धनिक वर्ग विदेश पलायन कर रहा है। यह लोग संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया सिंगापुर और टैक्स हेवन देशों की नागरिकता ले रहे हैं।वहां का टैक्स स्ट्रक्चर आसान है। बिज़नेस नीति स्थिर है। व्यक्तिगत स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं है, सरकार का हस्तक्षेप एक तरह से बिल्कुल कम है। जो भारतीय विदेश में जाकर बस रहे हैं। वह भारत की जांच एजेंसियों और सरकार के डर से भाग रहे हैं? भारतीय नागरिकों के विदेश की नागरिकता लेने से भारत को दोहरा नुकसान हो रहा है। एक तो प्रतिभाएं विदेश में जाकर बस रही हैं। अपनी पूंजी विदेश में लेकर जा रहे हैं ज़ब एक करोड़पति/अरबपति भारत छोड़ता है। तो वह अपने साथ केवल पैसा नहीं ले जाता है। वह निरंतर मिलने वाले रोज़गार के अवसर, निवेश की क्षमता और भविष्य की संभावनाओं पर पलीता लगाकर जाता है।

पलायन का बढ़ते ट्रेंड का दूसरा पक्ष आम जनता देश में करोबारियों पर बढ़ता सरकारी नियंत्रण, कर नीति की अस्थिरता, अचानक इनकम टैक्स के नियम और कानून में बदलाव, आयकर विभाग के नोटिस, ईडी,सीबीआई,सेबी पर सरकार का नियंत्रण और अनावश्यक उपयोग, कारोबारियों को बुरी तरह से भयभीत कर रहा है। भारतीय न्यायालयों द्वारा सरकार की दबाव में लंबे समय तक जमानत नहीं देना, झूठे प्रकरण बनाकर संपत्ति को जप्त कर लेना, देश का धनिक वर्ग इस स्थिति को देखते हुए स्वयं को और अपने बच्चों के भविष्य को भारत में असुरक्षित मानने लगा है। यह स्तिथि राष्ट्र के नीति-निर्माताओं के लिए एक बड़ी चेतावनी है। अगर पलायन इसी तरह जारी रहा। ऐसी स्थिति में भारत मिडिल क्लास और वर्किंग क्लास का देश बनकर रह जाएगा। औद्योगिक एवं व्यापारिक निवेश की संभावनाएं और उद्यमशीलता एक तरह से खत्म हो जाएगी। पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा पोषित कुछ ही कारोबारियों के हित संरक्षण को लेकर सरकार और जांच एजेंसियों द्वारा प्रतिस्पर्धियों को समाप्त किया जा रहा है। यह भी पलायन का एक सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार 'मेक इन इंडिया' या 'स्टार्टअप इंडिया' जैसे नारों से नहीं चल पाएगी। भारत सरकार को स्थिर पारदर्शी और सुरक्षित कारोबारी माहौल बनाने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। भारत में जो नियम और कानून बनाए जाएं। उनमें लंबे समय तक स्थिरता हो। तभी लोगों का सरकार के ऊपर भरोसा बढ़ेगा। पिछले कुछ वर्षों में मनी बिल के तहत सरकार अधिकार लेकर बार-बार नियम और कानून को बदल दे रही है। संसद के अधिकार ने अपने हाथों में ले लियें हैं। जीएसटी, आयकर, सेबी तथा अन्य कानूनो में रोजाना बदलाव हो रहे हैं। जिसके कारण भारत संवैधानिक और लोकतांत्रिक देश के स्थान पर तानाशाही वाले देश की सोच में परिवर्तित होता जा रहा है। भारत केवल युवाओं की श्रम शक्ति के बल पर आगे नहीं बढ़ेगा। इसके लिए पूंजी, सोच और कारोबारी माहौल आवश्यकता है। भारत में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर हो। धार्मिक उन्माद के स्थान पर आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति की सोच हो। आज यूएई में सबसे ज्यादा निवेश क्यों आ रहा है। सरकार के लिए यह भी सोच का विषय होना चाहिए। वैश्विक व्यापार में आयात और निर्यात के लिए दीर्घकालीन नीति होनी आवश्यक है। सरकार जो नीति बनाती है। उसका फायदा 2-4 चहेते उद्योगपति या कारोबारियों को ही मिलता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एनएलसी इंडिया विदेशों से दुर्लभ खनिज खरीदने की तैयारी में

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की नवरत्न कंपनी एनएलसी इंडिया लिमिटेड विदेशों से दुर्लभ खनिज की आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में सक्रिय हो गई है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि भारत सरकार के खान और कोयला मंत्रालय के निर्देश पर कंपनी ने अफ्रीकी देशों में निवेश की संभावनाएं तलाशनी शुरू कर दी हैं। एनएलसी ने माली में लिथियम खदानों और कांगो गणराज्य में तांबा और कोबाल्ट खनिज के लिए शुरुआती स्तर की बातचीत की है। उन्होंने बताया कि इन देशों में खनन से जुड़ी परियोजनाओं को लेकर इस महीने एक गैर-प्रकटीकरण समझौता होने की उम्मीद है। समझौते के बाद विस्तृत अध्ययन और आगे की रणनीति तय की जाएगी।

फेड बैठक से पहले ट्रंप ने पॉवेल पर बढ़ाया दबाव, ब्याज दरों पर रहेगी सबकी नजर

- फेड की बैठक के साथ-साथ अमेरिका सरकार भी तीन बड़े आर्थिक आंकड़े जारी करेगी

वाशिंगटन । अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल और उनके सहयोगी मंगलवार से दो दिवसीय बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक में ब्याज दरों को लेकर फैसला लिया जाएगा। यह बैठक ऐसे वक्त हो रही है जब अमेरिका पर राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है, व्यापार नीतियों में बदलाव हो रहे हैं और आर्थिक संकेतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। इस हफ्ते खास बात यह है कि फेड की बैठक के साथ-साथ अमेरिका सरकार भी तीन बड़े आर्थिक आंकड़े जारी करेगी, जीडीपी, रोजगार और महंगाई से जुड़ा आंकड़ा, जिसे फेड खास तौर पर देखता है। ज्यादातर जानकारों को उम्मीद है कि फेड इस बार भी ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा और उन्हें स्थिर रखेगा। अनुमान जताया जा रहा है कि अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका की आर्थिक गतिविधियों में बढ़त देखने को मिल सकती है, जिसकी मुख्य वजह व्यापार घाटे में तेज गिरावट हो सकती है। हालांकि, जुलाई महीने में रोजगार की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ सकती है। वहीं, जून महीने की महंगाई दर में मामूली तेजी आने के संकेत हैं। अमेरिका की जीडीपी की सरकारी अनुमान रिपोर्ट में इस तिमाही के लिए सालाना आधार पर 2.4 फीसदी की वृद्धि दिखने की संभावना है, जबकि जनवरी-मार्च तिमाही में अर्थव्यवस्था में 0.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि, बुधवार को जारी होने वाली रिपोर्ट से साफ हो सकता है कि घरेलू मांग और कारोबारी निवेश में अभी भी ज्यादा तेजी नहीं आई है। एक सर्वे में विश्लेषकों का अनुमान है कि इस तिमाही में उपभोक्ता खर्च केवल 1.5 फीसदी बढ़ेगा, जो कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद से लगातार दो तिमाहियों में सबसे कमजोर प्रदर्शन हो सकता है। साथ ही कमजोर हाउसिंग मार्केट का असर भी दूसरी तिमाही की आर्थिक गतिविधियों पर पड़ा है। हफ्ते के अंत में आने वाली जुलाई की जॉब रिपोर्ट से संकेत मिल सकता है कि कंपनियां अब नई भर्तियों को लेकर अधिक सावधानी बरत रही हैं।

एनएसडीएल का आईपीओ 30 जुलाई से खुलेगा

मुंबई। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) ने अपने 4,011 करोड़ के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 760 से 800 प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। यह आईपीओ 30 जुलाई से 1 अगस्त 2025 तक खुला रहेगा, जबकि एंकर निवेशक 29 जुलाई को ही बोली लगा सकेंगे। आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल पर आधारित है, जिसमें 5.01 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। इससे कंपनी को कोई नया पूंजी निवेश नहीं मिलेगा। शेयर बेचने वालों में एनएसई, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, आईडीबीआई बैंक, यूनियन बैंक शामिल हैं। इस निर्गम के प्रमुख प्रबंधकों में आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, एक्सिस कैपिटल, एचएसबीसी और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स शामिल हैं। उदाहरण के लिए, एनएसडीएल में शुरुआती निवेशकों को काफी लाभ हो सकता है, जबकि बाद के निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। एनएसडीएल में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले आईडीबीआई बैंक ने औसतन 2 रुपए प्रति शेयर की लागत पर अपनी हिस्सेदारी हासिल की थी, जो 39,000 प्रतिशत से अधिक के आश्चर्यजनक रिटर्न में तब्दील हो गई; इसकी हिस्सेदारी का मूल्य अब 4,176 करोड़ रुपए है, जो शुरुआती निवेश 10.44 करोड़ रुपए से अधिक है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार में 6.5 फीसदी से अधिक वृद्धि का अनुमान

- वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत की स्थिति बेहतर

नई दिल्ली ।
भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत गति से आगे बढ़ रही है और 2025-26 में इसके 6.5 प्रतिशत या उससे अधिक की वृद्धि दर प्राप्त करने में कोई बड़ी चुनौती नहीं होगी। यह बात भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य नागेश कुमार ने रविवार को एक साक्षात्कार में कही। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत की स्थिति बेहतर है। जबकि एक-तिहाई से अधिक देशों को ऋण संकट और धीमी आर्थिक गतिविधियों का सामना करना पड़ रहा है, भारत की वृद्धि घरेलू खपत और निवेश पर आधारित होने के कारण स्थिर बनी हुई है। कुमार ने उम्मीद जताई कि न केवल चालू वित्त वर्ष बल्कि अगले कुछ वर्षों में भी भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5 से 7.5 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ सकती है। पिछले वित्त वर्ष में भी जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मुद्रास्फीति के बारे में उन्होंने कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति जून में घटकर 2.1 प्रतिशत पर आ गई है, जो आरबीआई की सख्त मौद्रिक नीति का नतीजा है। हालांकि, आगे ब्याज दरों में कटौती मुद्रास्फीति और अन्य आर्थिक संकेतकों पर निर्भर करेगी। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि हुई है। 2024-25 में यह 81 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। हालांकि, शुद्ध एफडीआई प्रवाह थोड़ा कम रहा क्योंकि भारत से बाहर भी निवेश बढ़ा है।

छोटी कंपनियों को राहतः सेबी ने ईएसएम निगरानी नियमों में किए बदलाव

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और स्टॉक एक्सचेंजों ने 1,000 करोड़ रुपये से कम मार्केट कैप वाली कंपनियों के लिए इनहेंस्ड सर्वेलेंस मैकेनिज्म (ईएसएम) निगरानी ढांचे में अहम बदलाव किए हैं। यह संशोधित ढांचा 28 जुलाई 2025 से प्रभावी होगा, जिससे 28 कंपनियों को निगरानी सूची से बाहर निकलने का मौका मिल सकता है। हाल ही में हुई एक संयुक्त बैठक में सेबी और एक्सचेंजों ने यह निर्णय लिया। नए नियमों के तहत अब ईएसएम स्टेज 1 में किसी कंपनी को शामिल करने के लिए केवल पारंपरिक मानदंडों पर ही नहीं, बल्कि पिछले तीन महीनों में शेयर की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी को भी आधार बनाया जाएगा। इसका उद्देश्य यह जांचना है कि क्या किसी शेयर में असामान्य रूप से निवेशकों की रुचि बढ़ रही है। इसके अलावा, स्टेज 1 से स्टेज 2 में स्थानांतरण के लिए अब प्राइस टू अर्निंग्स (पीई) रेशियो को भी जोड़ा गया है। अगर किसी कंपनी का पीई रेशियो निफ्टी 500 इंडेक्स के औसत से दोगुना या अधिक है, तो उसे स्टेज 2 में ले जाया जा सकता है।

कंपनियों के तिमाही नतीजों, फेडरल रिजर्व के ब्याज दर से तय होगी बाजार की दिशा

- वैश्विक बाजार के रुझान भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे

नई दिल्ली ।
स्थानीय शेयर बाजार में इस सप्ताह भारी उतार-चढ़ाव की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार, बाजार की दिशा कई अहम कारकों पर निर्भर करेगी, जिनमें प्रमुख कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर निर्णय और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां शामिल हैं। इसके अलावा औद्योगिक उत्पादन, विनिर्माण पीएमआई, मासिक वाहन बिक्री के आंकड़े और वैश्विक बाजार के रुझान भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विशेष रूप से अमेरिकी प्रशासन द्वारा भारत सहित कई देशों पर लगाए गए जवाबी शुल्क पर एक अगस्त को लगी रोक समाप्त हो रही है, जो बाजार की नज़र इस पर भी रहेगी। इसके साथ ही थाइलैंड और कंबोडिया के बीच भू-राजनीतिक तनाव भी निवेशकों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। बाजार के जानकारों ने बताया कि जुलाई महीने के डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी, सन फार्मा और आईटीसी जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे सामने आएंगे, जो बाजार की मजबूती और कंपनियों के प्रदर्शन का संकेत देंगे। एक बाजार के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक ने कहा कि इन नतीजों से यह स्पष्ट होगा कि बाजार को भविष्य में समर्थन मिलेगा या नहीं। उन्होंने बताया कि निवेशक विदेशी कोषों के प्रवाह और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर भी ध्यान देंगे। पिछले सप्ताह सेंसेक्स में 294 अंक और निफ्टी में 131 अंक की गिरावट आई है। एक कंपनी के शोध प्रमुख ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की अनिश्चितता, मिले-जुले तिमाही नतीजे और बढ़ती एफआईआई निकासी के कारण बाजार कमजोर रहेगा। इस प्रकार इस सप्ताह निवेशकों के लिए सतर्कता और सूझ-बूझ के साथ बाजार की गतिविधियों को समझना बेहद जरूरी है।

इस हफ्ते 100 से अधिक कंपनियां देंगी डिविडेंड

नई दिल्ली । अगर आप शेयर बाजार में निवेश करते हैं और डिविडेंड इनकम को पसंद करते हैं, तो आपके लिए यह हफ्ता बेहद खास रहने वाला है। 28 जुलाई से 1 अगस्त के बीच 100 से ज्यादा कंपनियां अपने निवेशकों को डिविडेंड देने जा रही हैं। डिविडेंड की राशि 0.07 से लेकर 512 प्रति शेयर तक हो सकती है, जो कंपनियों की वित्तीय स्थिति और लाभांश नीति पर आधारित है। इस लिस्ट में बड़ी और मिड-कैप कंपनियां शामिल हैं, जिनमें विप्रो, बोस्क, मारुति सुजुकी, आरईसी, क्रिसिल, डीएलएफ, हाकिंग्स कुकर्स, पीएनबी हाउसिंग और अपार इंडस्ट्रीज जैसी जानी-मानी कंपनियां शामिल हैं। खास बात यह है कि बोस्क 512, मारुति सुजुकी ने 135 और आयसर मोटर्स ने 70 प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड घोषित किया है। इसके अलावा विप्रो, एसआरएफ, केपीआईटी टेक्नोलाजी और श्याम मेटलिक्स जैसी कंपनियां अंतरिम डिविडेंड भी देने जा रही हैं। निवेशकों को यह ध्यान रखना होगा कि डिविडेंड पाने के लिए एक्स-डिविडेंड डेट से पहले शेयर खरीदना जरूरी है। एक्स-डिविडेंड डेट के बाद खरीदे गए शेयर पर डिविडेंड का लाभ नहीं मिलेगा।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में हल्की बढ़त रही

- मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे, सरकार से नीतिगत सुधार की मांग

नई दिल्ली ।
त्योहारों के मौसम के करीब आने से घरेलू तेल-तिलहन बाजार में पिछले सप्ताह सरसों, सोयाबीन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल के दामों में मामूली सुधार देखा गया। वहीं मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे, जो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से करीब 16-17 प्रतिशत नीचे थोक भाव पर कारोबार कर रहे हैं। इस वजह से मूंगफली तेल का व्यापार अपेक्षाकृत धीमा रहा। विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों के दामों में सुधार और रुपये के कमजोर होने से भी घरेलू बाजार पर प्रभाव पड़ा है। आयातक आर्थिक कठिनाइयों के कारण सोयाबीन डीगम तेल को लागत से भी कम दाम पर बेचने को मजबूर हैं। इससे तेल उद्योग की स्थिति कमजोर हुई है। आने वाली खरीफ फसल के बीच सरकार से इस स्थिति को लेकर गंभीर नीतिगत कदम उठाने की मांग की गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि पहले के कम एमएसपी वाले सोयाबीन और मूंगफली तेल की बिक्री में दिक्कत हो रही है, तो अधिक एमएसपी वाले आने वाले खरीफ फसल के तेलों का बाजार बनाना चुनौतीपूर्ण होगा। इसीलिए देशी तेल-तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देना जरूरी है। साथ ही सरसों तेल के ऊंचे खुदरा दामों को नियंत्रित करने के लिए राशन दुकानों के माध्यम से वितरण पर भी विचार होना चाहिए। सरकार को सोयाबीन, मूंगफली और सूरजमुखी जैसे अन्य तेलों के खुदरा और थोक दामों की पारदर्शिता के लिए एक सरकारी वेब पोर्टल बनाने का सुझाव दिया गया है। इसके अलावा, कपास उत्पादन बढ़ाने और मिलावटी बिनौला खल के कारोबार पर रोक लगाने की भी सिफारिश की गई है, क्योंकि इससे किसानों को नुकसान हो रहा है। पिछले सप्ताह सरसों दाने के थोक भाव में 25 रुपये की बढ़त के साथ 7,375-7,425 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सोयाबीन के दामों में भी 150 रुपये तक सुधार दर्ज किया गया। सीपीओ, पामोलीन और बिनौला तेल के भावों में भी हल्की बढ़त रही। कुल मिलाकर घरेलू तेल-तिलहन बाजार में सुधार के बीच सरकार को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और स्थिरता के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है।

कोटक महिंद्रा बैंक का पहली तिमाही में मुनाफा घटा

नई दिल्ली ।

कोटक महिंद्रा बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 40 फीसदी की गिरावट के साथ 4,472.18 करोड़ का समेकित शुद्ध मुनाफा दर्ज किया। पिछले साल इसी अवधि में बैंक ने 7,448.16 करोड़ का मुनाफा कमाया था। इस गिरावट का प्रमुख कारण पिछले साल कोटक जनरल इंश्योरेंस (केजीआई) में हिस्सेदारी बेचने से प्राप्त 3,013 करोड़ का एकमुश्त लाभ था, जो इस तिमाही में नहीं मिला। हालांकि, यदि केजीआई सौदे को अलग कर देखें, तो बैंक का समेकित मुनाफा मामूली रूप से 1 फीसदी बढ़कर 4,472 करोड़ रहा, जो पिछले साल 4,435 करोड़ था। बैंक के स्टैंडअलोन नतीजों में भी कमजोरी दिखी। केजीआई सौदे को हटाकर देखा जाए तो शुद्ध मुनाफा 6.8 फीसदी घटकर 3,282 करोड़ रहा। शुद्ध ब्याज आय 6 फीसदी बढ़कर 7,259 करोड़ रही, लेकिन शुद्ध ब्याज मार्जिन घटकर 4.65 फीसदी हो गया, जो पिछले साल 5.02 फीसदी था। एनपीए और प्रावधानों में तेज़ बढ़ोतरी चिंता का कारण है। इस तिमाही में नए स्लिपेज 1,812 करोड़ रहे, जो साल-दर-साल 33 फीसदी ज्यादा हैं। प्रावधान 100 फीसदी से अधिक बढ़कर 1,208 करोड़ हो गए। बैंक का सकल एनपीए 1.48 फीसदी और शुद्ध एनपीए 0.34 फीसदी रहा।

चीन में विश्व आर्टीफीशियल इंटेलीजेंस कांफ्रेंस में एक इंसान की तरह लगने वाले रॉबोट से बात करते हुए लोग।

कोल्हापुरी चप्पल की वैश्विक पहचान को मिला क्यूआर कोड

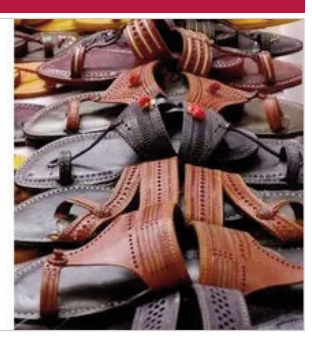

नकली उत्पाद की बिक्री पर लगेगी रोक

कोल्हापुर । भारत की पारंपरिक हस्तकला का गौरव, कोल्हापुरी चप्पल, अब तकनीक और कानूनी सुरक्षा के नए युग में प्रवेश कर चुकी है। महाराष्ट्र के चमड़ा उद्योग विकास निगम (लिडकॉम) ने इस प्रसिद्ध हस्तनिर्मित चप्पल के लिए क्यूआर कोड आधारित प्रमाणीकरण शुरू किया है, जिससे इसकी प्रामाणिकता और कारीगर की पहचान को ट्रैक किया जा सकेगा। यह पहल नकली चप्पलों की बिक्री पर रोक लगाने, उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ाने और पारंपरिक कारीगरों को उचित पहचान दिलाने के उद्देश्य से की गई है। क्यूआर कोड स्कैन कर ग्राहक यह जान सकेंगे कि उत्पाद कहां बना, किसने बनाया, कौन-सी शिल्प तकनीक और कच्चा माल उपयोग हुआ, और यह जीआई प्रमाणित है या नहीं। इस बीच इटली के मशहूर फैशन ब्रांड प्रादा विवादों में घिर गया है। हाल ही में उनके 2026 फैशन शो में प्रदर्शित पुरुषों की एक सैंडल डिजाइन को कोल्हापुरी चप्पल से मिलता-जुलता पाया गया, जिसे लेकर भारतीय कारीगरों ने जीआई अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया। प्रादा ने माना कि यह डिजाइन भारतीय हस्तशिल्प से प्रेरित है, लेकिन इसका व्यावसायिक उत्पादन शुरू नहीं हुआ है। ब्रांड की एक विशेषज्ञ टीम ने कोल्हापुर का दौरा कर स्थानीय निर्माण प्रक्रिया को भी देखा। 12वीं शताब्दी से कोल्हापुर, सांगली और सोलापुर जिलों में तैयार होने वाली कोल्हापुरी चप्पल, छत्रपति शाहू महाराज के समर्थन से आत्मनिर्भरता और स्वदेशी गौरव का प्रतीक बन गई थी। आज क्यूआर कोड जैसी पहल इस धरोहर को आधुनिक पहचान देने का काम कर रही है।

सेंसेक्स की प्रमुख छह कंप नियों का बाजार पूंजीकरण 2.22 लाख करोड़ घटा

- रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन घटकर 18,83,855 करोड़ हो गया

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह शेयर बाजार में कमजोरी के रुख का असर देश की सबसे बड़ी कंपनियों पर भी देखने को मिला। सेंसेक्स की टॉप 10 में शामिल छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल मिलाकर 2.22 लाख करोड़ की गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को झेलना पड़ा। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स में 294.64 अंकों की गिरावट आई। इस दौरान जिन कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आई, उनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी शामिल हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 1,14,687.7 करोड़ की गिरावट के साथ घटकर 18,83,855.52 करोड़ रह गया। वहीं इन्फोसिस का मार्केट कैप 29,474.56 करोड़ घटकर 6,29,621.56 करोड़ हो गया। टीसीएस को 20,080.39 करोड़ का नुकसान हुआ और उसका मूल्यांकन 11,34,035.26 करोड़ पर आ गया। एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर को क्रमशः 23,086.24 करोड़, 17,524.3 करोड़ और 17,339.98 करोड़ का घाटा हुआ। दूसरी ओर चार कंपनियाँ ऐसी रहीं जिनका बाजार पूंजीकरण बढ़ा। इनमें एचडीएफसी बैंक सबसे आगे रहा, जिसके मार्केट कैप में 37,161.53 करोड़ की बढ़ोतरी हुई और उसका मूल्यांकन 15,38,078.95 करोड़ तक पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 35,814.41 करोड़ बढ़कर 10,53,823.14 करोड़ हो गया। भारती एयरटेल और भारतीय स्टेट बैंक को क्रमशः 20,841.2 करोड़ और 9,685.34 करोड़ का लाभ हुआ। गिरावट के बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

अमेरिकी बाजार से अपने उत्पाद वापस मंगा रही हैं भारतीय दवा कंप नियां

सन फार्मा, ल्यूपिन और डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज की दवाओं में पाई गई विनिर्माण संबंधी खामियां

नई दिल्ली ।

अमेरिका के दवा नियामक यूएसएफडीए की रिपोर्ट के अनुसार भारत की प्रमुख दवा कंपनियों सन फार्मा, ल्यूपिन और डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज को विनिर्माण संबंधी खामियों और उत्पाद मिश्रण के कारण अमेरिका से अपनी दवाएं वापस मंगानी पड़ी हैं। सन फार्मा ने लिसडेक्साफेटामाइन डाइमीसाइलेट (60 मिलीग्राम) कैप्सूल की 5,448 बोतलों को वापस मंगाया है। यह दवा कंपनी की प्रिंसटन (अमेरिका) इकाई से जुड़ी है, और वापसी की प्रक्रिया 16 जून 2025 से शुरू की गई थी। वहीं ल्यूपिन ने उच्च रक्तचाप के इलाज में उपयोग की जाने वाली लिसिनोप्रिल और हाइड्रोक्लोरोथियाजाइड (20/12.5एमजी) टैबलेट की 58,968 बोतलों को वापस बुलाया है। यह दवा नागपुर स्थित संयंत्र में बनाई गई थी। वापसी का कारण एक विदेशी टैबलेट का बोतल में पाया जाना था, जिसकी पहचान अटेजेनाविर और रिटोने विर (300/100एमजी) के रूप में हुई, जो एचआईवी के इलाज में प्रयोग होती है। इसके अतिरिक्त, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज ने पेट की बीमारियों में उपयोगी ओमेप्राजोल डिलायड री लिज कैप्सूल की 1,476 बोतलों को वापस मंगाया है। यह दवा तेलंगाना के बाचुपल्ली संयंत्र में बनी थी और इसकी वापसी 30 जून 2025 से शुरू की गई। ये घटनाएं भारतीय दवा कंपनियों के लिए वैश्विक स्तर पर गुणवत्ता नियंत्रण की गंभीर चुनौती को रेखांकित करती हैं, और नियामक मानकों के प्रति सतर्कता बनाए रखने की आवश्यकता को दर्शाती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एशिया कप से बीसीसीआई नहीं हट सकता, भारत-पाक मुकाबला तय कार्यक्रम के अनुसार होगा : सूत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट से हट नहीं सकता और एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) की बैठक में भारतीय बोर्ड द्वारा हरी झंडी दिए जाने के बाद दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों के बीच मुकाबला तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगा।

ACC ने शनिवार को एशिया कप का कार्यक्रम जारी किया और पुष्टि की कि भारत और पाकिस्तान के बीच लीग चरण का मुकाबला 14 सितंबर को होगा क्योंकि उन्हें मेजबान UAE और ओमान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। BCCI सूत्रों ने बताया, 'BCCI अभी टूर्नामेंट या मैच से हट नहीं सकता। इष्ट की बैठक के बाद इस फैसले पर सहमति बनी थी। चूंकि भारत मेजबान देश है, इसलिए इस समय कुछ भी नहीं बदला जा सकता। आधिकारिक स्तर पर चर्चा हुई और उसके अनुसार परिणाम तय किया गया। मैच तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगा।'

युवराज सिंह की अगुवाई वाली भारतीय चैंपियन टीम द्वारा बर्मिंघम में चल रहे वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के दूसरे सीजन के दौरान पाकिस्तान चैंपियन के खिलाफ खेलने से इनकार करने के बाद भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। इसके कारण आयोजकों ने मैच रद्द कर दिया। खिलाड़ियों ने यह फैसला 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े राजनीतिक तनाव के मद्देनजर लिया है। हालांकि एशिया कप के कार्यक्रम की घोषणा के बाद BCCI ने अभी तक इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में पाकिस्तान के बहिष्कार पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

महीनों की अटकलों को खत्म करते हुए ACC अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को एशिया कप के 17वें संस्करण की तारीखों की आधिकारिक घोषणा की। यह टूर्नामेंट 2026 टी20 विश्व कप की तैयारियों के अनुरूप टी20 प्रारूप में खेला जाएगा और इतिहास में पहली बार इसमें आठ टीमें हिस्सा लेंगी। भारत और पाकिस्तान को मेजबान यूएई और ओमान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है, जबकि ग्रुप बी में बांग्लादेश, हांगकांग, अफगानिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं।

प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष टीमें सुपर फोर चरण में पहुंचेंगी जिसके बाद फाइनल होगा जिससे

टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच तीन मुकाबलों की संभावना बढ़ गई है। 2023 संस्करण के फाइनल में श्रीलंका को हराकर भारत गत विजेता है।

एडम जम्पा ने सैंटनर की बराबरी की, टी20आई में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले शीर्ष 10 खिलाड़ियों में शामिल

बैसेटेरे (सेंट किट्स एंड नेविस) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जम्पा ने न्यूज़ीलैंड के मिशेल सैंटनर की बराबरी कर ली है और अब तक के सबसे ज़्यादा टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वालों की सूची में शीर्ष 10 में जगह बना ली है। जम्पा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ बैसेटेरे में चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान रैंकिंग में यह बढ़त हासिल की। अपने चार ओवर के स्पेल में जम्पा ने चार ओवर में 54 रन देकर तीन विकेट लिए।

अब तक 99 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में जम्पा ने 21.14 की औसत से 124 विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/19 रहा है। दूसरी ओर, सैंटनर ने 114 मैचों में 22.57 की औसत से 124 विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/11 रहा है। वे दोनों इस प्रारूप में संयुक्त रूप से 10वें सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

शीर्ष तीन टी20आई विकेट लेने वाले गेंदबाजों न्यूजीलैंड के टिम साउथी (126 मैचों में 22.38 की औसत से 164 विकेट, 5/18 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ), अफगानिस्तान के राशिद खान (96 मैचों में 13.80 की औसत से 161 विकेट, 5/3 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ) और न्यूजीलैंड के ईश सोढ़ी (126 मैचों में 22.52 की औसत से 150 विकेट, 4/12 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ)। हैं।

मैच की बात करें तो वेस्टइंडीज के 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने ग्रीन (नाबाद 55, 35 गेंद, तीन छक्के, तीन चौके) और

इंग्लिस (51 रन, 30 गेंद, 10 चौके, एक छक्का) की पारियों की बदौलत 19.2 ओवर में सात विकेट पर 206 रन बनाकर जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज की ओर से जेडिया ब्लेड्स ने 29 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

वेस्टइंडीज ने इससे पहले 9 विकेट पर 205 रन बनाए लेकिन उसकी तरफ से कोई बल्लेबाज टिककर बड़ी पारी नहीं खेल पाया। मेजबान टीम के चार बल्लेबाजों ने 20 रन के आंकड़े को पार किया जिसमें शेरफेन रदरफोर्ड 31 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से आरोन हार्डी, जेवियर बार्टलेट, और सीन एबट ने दो-दो जबकि एडम जंपा ने तीन विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने पारी की दूसरी ही गेंद पर मिचेल मार्श (00) का विकेट गंवा दिया जिन्हें ब्लेड्स ने पगबाधा किया। इंग्लिस ने इसके बाद सलामी बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल (47) के साथ दूसरे विकेट के लिए 66 और ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 63 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की जीत की नींव रखी। ग्रीन ने आरोन हार्डी (23) के साथ भी छठे विकेट के लिए 51 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की।

ग्रीन और इंग्लिस के अर्धशतक, ऑस्ट्रेलिया ने चौथे टी20 में वेस्टइंडीज को हराया

बासेटेरे (सेंट किट्स) (एजेंसी)। कैमरन ग्रीन और जोश इंग्लिस के अर्धशतक से ऑस्ट्रेलिया ने यहां चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराकर पांच मैच की श्रृंखला में 4-0 की बढ़त बना ली।

वेस्टइंडीज के 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने ग्रीन (नाबाद 55, 35 गेंद, तीन छक्के, तीन चौके) और इंग्लिस (51 रन, 30 गेंद, 10 चौके, एक छक्का) की पारियों की बदौलत 19.2 ओवर में सात विकेट पर 206 रन बनाकर जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज की ओर से जेडिया ब्लेड्स ने 29 रन देकर तीन विकेट चटकाए। वेस्टइंडीज ने इससे पहले 9 विकेट पर 205 रन बनाए लेकिन उसकी तरफ से कोई बल्लेबाज टिककर बड़ी पारी नहीं खेल पाया। मेजबान टीम के चार बल्लेबाजों ने 20 रन के आंकड़े को पार किया जिसमें शेरफेन रदरफोर्ड 31 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से आरोन हार्डी, जेवियर बार्टलेट, और सीन एबट ने दो-दो जबकि एडम जंपा ने तीन विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने पारी की दूसरी ही गेंद पर मिचेल मार्श (00) का विकेट गंवा दिया जिन्हें ब्लेड्स ने पगबाधा किया। इंग्लिस ने इसके बाद सलामी बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल (47) के साथ दूसरे विकेट के लिए 66 और ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 63 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की जीत की नींव रखी। ग्रीन ने आरोन हार्डी (23) के साथ भी छठे विकेट के लिए 51 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की।

शुभमन गिल का मैनचेस्टर में बेहतरीन शतक, ब्रैडमैन-गावस्कर के क्लब में की एंट्री

मैनचेस्टर (एजेंसी)। टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल का इंग्लैंड में एक बार फिर बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला है। उन्होंने रविवार को इंग्लैंड खिलाफ चौथे टेस्ट की दूसरी पारी में शानदार शतक ठोका है। गिल ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में संयम के साथ बैटिंग करते हुए 238 गेंदों में 103 रन बनाए। उन्होंने 12 चौके लगाए। पांचवें दिन लंच ब्रेक से पहले पेसर जोफ्रा आर्चर का शिकार बने। ये 25 वर्षीय बल्लेबाज के टेस्ट करियर की नौवीं सेंचुरी है। गिल मैनचेस्टर के मैदान पर टेस्ट सेंचुरी जड़ने वाले 9वें भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने 35 साल का शतकीय सूखा समाप्त किया है। दरअसल, गिल से पहले मैनचेस्टर में शतक जड़ने वाले भारतीय प्लेयर सचिन तेंदुलकर थे। सचिन ने 1990 में यहां इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 189 गेंदों में 17 चौकों की बदौलत नाबाद 119 रन बनाए थे। ये महान बल्लेबाज सचिन के करियर का पहला टेस्ट शतक था।

ब्रैडमैन-गावस्कर के क्लब में की एंट्री

गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज में चौथी शतकीय पारी खेली है। उन्होंने सर डॉन ब्रैडमैन और सुनील गावस्कर के धाकड़ क्लब में एंट्री मारी है। गिल बतौर कप्तान एक टेस्ट सीरीज में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा चार शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज ब्रैडमैन ने 1947/48 में भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चार शतक जमाए। पूर्व भारतीय कप्तान गावस्कर ने 1978/79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में ऐसा किया।

कोहली की बराबरी

गिल एक टेस्ट सीरीज में भारत के लिए संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने वाले प्लेयर बन चुके हैं। उन्होंने गावस्कर और विराट कोहली की बराबरी की है। गावस्कर ने 1971 और 1978/79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चार-चार शतक लगाए थे। वहीं, स्टार बल्लेबाज कोहली ने 2014/15 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट सीरीज में इतने सेंचुरी लगाई थीं। गिल इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में 700 प्लस रन बनाने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी हैं।

गावस्कर बोले टीम शुभमन की , इसलिए वे ही लें चयन पर अंतिम फैसला

लंदन । भारतीय टीम के पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि अंतिम ग्यारह के चयन का पूरा अधिकार कप्तान शुभमन गिल के पास होना चाहिये न कि कोच गौतम गंभीर के पास। गावस्कर ने कहा कि टीम कप्तान की होती है कोच की नहीं। इसलिए कप्तान की राय सबसे अहम होती है। विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बाद कई लोगों ने नई भारतीय टेस्ट टीम को गंभीर की टीम करार दिया, जबकि चयनकर्ताओं ने शुभमन को नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया था। इससे सवाल ये भी उठ रहा है कि ड्रेसिंग रूम में कप्तान की पकड़ है या कोच हावी हैं? टेस्ट के चौथे दिन जब, गावस्कर से सीधे तौर पर पूछा गया कि क्या यह भारतीय टीम शुभमन या गंभीर की है। इसपर गावस्कर ने कहा कि उन्हें अपनी कप्तानी के दिनों में कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा, क्योंकि उस समय कोई मुख्य कोच नहीं था। इसकी जगह पर उन्होंने प्रबंधकों या सहायक प्रबंधकों से सुझाव मांगे, जो अक्सर पूर्व खिलाड़ी होते थे। गावस्कर ने कहा, हमारे पास कोच नहीं थे। हमारे पास सिर्फ पूर्व खिलाड़ी ही मैनेजर या सहायक मैनेजर के तौर पर थे। वे ऐसे लोग थे जिनके पास जाकर आप बात कर सकते थे, लंच के समय, दिन के खेल के अंत में या मैच से पहले और वे केवल अपनी सलाह देते थे, फैसला हमें लेना होता था। इसलिए, मेरे लिए कप्तान और कोच के संयोजनप को समझना कठिन है। जब मैं कप्तान था, तब हमारे पास कोई भी पूर्व खिलाड़ी नहीं था।

करुण को इस कारण चौथे टेस्ट में शामिल नहीं किया गया : कोटक

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि बल्लेबाज करुण नायर को चौथे टेस्ट से बाहर करने का कारण खराब फार्म नहीं था बल्कि उनपर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए उन्हें आराम दिया गया। इससे पहले कहा जा रहा था कि आठ साल बाद वापसी के बाद भी शुरुआती तीनों ही मैचों में खराब प्रदर्शन के कारण इस बल्लेबाज को टीम से बाहर किया गया है। प्रशंसकों का मानना था कि करुण अवसरों का लाभ नहीं उठा पाये जिस कारण उन्हें अपनी जगह खोनी पड़ी। नायर को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रेफर्ड में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में शामिल न करते हुए उनकी जगह पर साई सुदर्शन को अवसर दिया गया। सुदर्शन ने अवसर का लाभ उठाते हुए पहली पारी में अर्धशतक लगाया था। वह हालांकि, दूसरी पारी में रन नहीं बना पाये।

जडेजा को स्टोक्स से बेहतर ऑलराउंडर मानते हैं कपिल

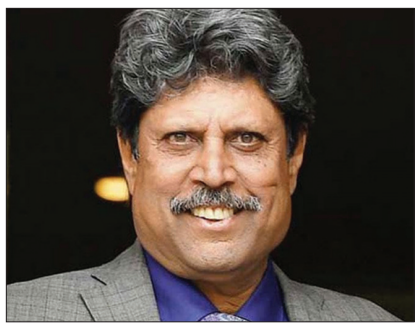

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि पिछले कुछ समय में इंग्लैंड के ऑलरांउडर बेन स्टोक्स ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर अगर भारत के रविन्द्र जडेजा से तुलना करें तो वह अभी भी पीछे हैं। कपिल ने कहा है कि जडेजा स्टोक्स से अधिक अच्छे ऑलराउंडर हैं। स्टोक्स ने भारत के खिलाफ मैनचेस्टर में 14वां टेस्ट शतक लगाया। इस दौरान उन्होंने अपने 7000 टेस्ट रन भी पूरे किए हैं। अब स्टोक्स के नाम 115 मैचों में 35.7 के औसत से 7032 रन हो गये हैं। उन्होंने इस दौरान 14 शतक और 35 अर्धशतक भी लगाये हैं। स्टोक्स ने भारत के खिलाफ चौथे मैच में 198 गेंद में ही 141 रन बनाए। वह सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। वहीं स्टोक्स के बारे में पूछे जाने पर कपिल ने कहा, ''मैं तुलना नहीं करना चाहता। स्टोक्स एक अच्छे ऑलराउंडर हैं हालांकि मुझे अभी भी लगता है कि जडेजा उनसे आगे हैं। वह कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।'' स्टोक्स टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 7000 रन और 200 विकेट हासिल करने वाले तीसरे ऑलराउंडर हैं। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के जैक कैलिस और वेस्टइंडीज के सर गैरी सोबर्स ने ये उपलब्धि हासिल की थी। जडेजा ने इंग्लैंड की पहली पारी में चार विकेट लिए थे। जडेजा इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सातवें बल्लेबाज हैं। उन्होंने सात पारियों में 86.75 के औसत से 347 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 89 रन रहा है। उन्होंने जारी सीरीज में चार अर्धशतक लगाए हैं।

महिला विश्व कप शतरंज फ़ाइनल: जीत के करीब जाकर चूकी दिव्या, पहली बाजी बेनतीजा

बातुमी, जॉर्जिया (एजेंसी)। विश्व महिला शतरंज कप का इतिहासिक मुक़ाबला आज से आरंभ हो गया और यह पहली बार है की भारत विश्व कप जीतेगा क्यूंकी दोनों ही खिलाड़ी भारतीय है । सफ़ेद मोहरो से खेल रही दिव्या देशमुख नें आज अपनी ओपनिंग की तैयारी से दिग्गज कोनेरु हम्पी को लगभग हारी हुई स्थिति में पहुंचा दिया था पर अपने अनुभव से और दिव्या की कुछ गलत चालों से हम्पी इस मुश्किल बाजी को बचाने में कामयाब रही। क्वीन्स गेंबिट एकसेपटेड ओपनिंग में दिव्या नें हम्पी को अपनी नयी चालों से चौंकाया और खेल की दसवीं चाल में दिव्या को इस फायदा मिला और हम्पी गलती कर बैठी , हम्पी का राजा केंद्र में था और दिव्या नें आक्रमण भी किया और अपने घोड़े को

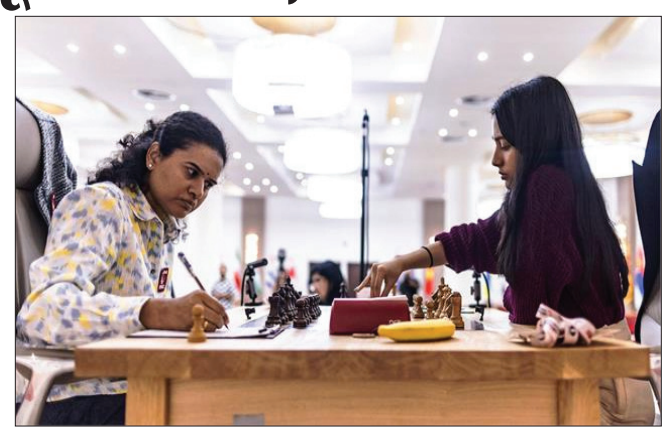

कुर्बान करते हुए खेल पर नियंत्रण ले लिया पर खेल की 14वीं चाल में ऊंट की अदला बदली करने की गलत चाल से उन्होने हम्पी को खेल में बराबरी हासिल करने का मौका दे दिया और इसके बाद हम्पी नें सम्हाल कर खेलते हुए पहले अपना घोडा कुर्बान करते हुए पहले अपने राजा को सुरक्षित किया और फिर अपने हथियों को खेल में ले आई और बराबरी हासिल कर ली , खेल की 30वीं चाल में जब हम्पी ड्रॉ के लिए सहमत थी दिव्या नें चाल बदल कर खेल को जारी रखने की मंशा जताई पर अब तक उनका राजा कमजोर हो चुका था और इस बात का फायदा उठाते हुए 35वीं चाल में अपना हाथी कुर्बान किया और दिव्या के राजा को लगातार शह देते हुए खेल ड्रॉ करा लिया । अब जब हम्पी कल सफ़ेद मोहरो से खेलते उतरेंगी तो दबाव दिव्या पर होगा और साथ ही उन्हे जल्द ही पहली बाजी खो देने के झटके से उबरकर एक नयी शुरु आत करनी होगी । अगर कल भी बाजी बेनतीजा रही तो फिर टाईब्रेक के जरिये विश्व कप विजेता का निर्णय लिया जाएगा ।

रोवमैन पॉवेल ने क्रिस गेल को पीछे छोड़ा, टी20आई में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले क्रिकेटर बने

बैसेटेरे । वेस्टइंडीज के बल्लेबाज रोवमैन पॉवेल दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल को पीछे छोड़कर टी20आई में टीम के दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। पॉवेल ने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बैसेटेरे में खेले गए चौथे टी20आई मैच के दौरान हासिल की। पहले तीन मैचों में 1, 12 और 9 रन के खराब स्कोर के बाद पॉवेल ने 22 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 28 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी क्षमता की झलक दिखाई। अब तक 99 टी20आई मैचों में उन्होंने 87 पारियों में 25.66 की औसत और 141 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 1,925 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और नौ अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 107 है। गेल ने अपने शानदार टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में जिसमें उन्होंने दो टी20 विश्व कप जीते, 79 मैचों की 75 पारियों में 27.92 की औसत और 137.50 के स्ट्राइक रेट से 1,899 रन बनाए। उन्होंने दो शतक और 14 अर्धशतक लगाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 117 रहा। अब संन्यास ले चुके निकोलस पूरन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में वेस्टइंडीज के लिए शीर्ष पर हैं जिन्होंने 106 मैचों की 97 पारियों में 26.14 की औसत और 136 से अधिक के स्ट्राइक रेट और 13 अर्धशतकों के साथ 2,275 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 98 है।

पोंटिंग, कैलिस और द्रविड जैसे दिग्गजों के साथ नाम देखकर लगता है अच्छा : रूट

मैनचेस्टर (एजेंसी)। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने कहा है कि दिग्गज क्रिकेटरों रिकी पोंटिंग, कुमार संगकारा और ब्रायन लारा के साथ अपना नाम देखकर उन्हें हैरानी होती है। रूट मैनचेस्टर टेस्ट के तीसरे दिन 150 रन बनाकर टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में 13,409 रन बनाकर दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। उन्होंने इस दौरान राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ दिया है। रूट से आगे अब केवल सचिन तेंदुलकर 15,921 रन ही हैं। दूसरे नंबर पर पहुंचने के बाद रूट ने कहा, मैं बचपन से पोंटिंग, संगकारा और लारा जैसा बनना चाहता था। ऐसे में अब इन दिग्गजों के साथ अपना नाम देख निश्चित ही अच्छा लग रहा है। यह मेरे लिए थोड़ा हैरान करने वाला भी है। मैंने अपनी उपलब्धियों के बारे में ज्यादा नहीं सोचा। मेरा ध्यान इंग्लैंड को मैच जिताने पर रहा है।

अब देखना है कि क्या रूट सचिन के सबसे अधिक टेस्ट रनों का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे? इसके लिए उन्हें करीब तीन हजार रन चाहिये। इस पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन ने कहा, रूट का औसत लगभग 85 रन प्रति टेस्ट मैच है, इसलिए उन्हें सचिन तक पहुंचने के लिए करीब 30 टेस्ट मैच खेलने होंगे। अभी वह 34 साल के हैं और उनके पास तीन से चार साल का समय है। वह काफी अच्छे फॉर्म में हैं और खेल के प्रति उनके प्यार और इच्छा में कोई कमी नहीं आई है। वहीं अगर वह फिट बने रहते हैं तो सचिन का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

रूट ने अब तक 157 टेस्ट मैचों की 286 पारियों में 38 शतक और 66 अर्धशतक लगाते हुए 13,409 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 262 रन है। उनके नाम छह दोहरे शतक भी हैं। रूट से आगे केवल सचिन तेंदुलकर हैं। 200 टेस्ट मैचों की 329 पारियों में 51 शतक और 68 अर्धशतक लगाते हुए सचिन ने 15,921 रन बनाए हैं।

'दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए, कभी हां, कभी ना' : एशिया कप में भारत-पाक मैच पर बोले कनेरिया

नई दिल्ली । पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर दानिश कनेरिया ने लंबे समय से विवादों और बहसों में घिरे एशिया कप के कार्यक्रम पर अपनी राय साझा करते हुए कहा कि भारत-पाकिस्तान मुकाबला संभवत: एशियाई क्रिकेट परिषद (इष्ट) द्वारा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) से मंजूरी मिलने के बाद हुआ है। एसीसी द्वारा शनिवार को घोषित विस्तृत कार्यक्रम के अनुसार भारत और पाकिस्तान 14 सितंबर को एशिया कप के ग्रुप चरण के मुकाबले में आमने-सामने होंगे। यह घोषणा भारतीय चैंपियंस टीम से जुड़े एक बेहद संवेदनशील प्रकरण के कुछ ही दिनों बाद आई है, जिसने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान चैंपियंस के खिलाफ निर्धारित मुकाबले से अपना नाम वापस ले लिया था। कनेरिया ने कहा, '(दोनों देशों के बीच) क्रिकेट होना चाहिए... लोग इस बारे में इसलिए बात कर रहे हैं क्योंकि हाल ही में एक घटना हुई थी जहां वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में भारत-पाकिस्तान का मैच होना था, लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटरों ने मैच का बहिष्कार कर दिया। इस कदम से संकेत मिला कि शायद भारत भविष्य में एशिया कप या आईसीसी टूर्नामेंट जैसे आयोजनों में भी पाकिस्तान के साथ नहीं खेलेगा। इस बहिष्कार ने सुर्खियां बटोरीं और इसके बाद कई बयान आए, जिससे यह धारणा बनी कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ मैचों में हिस्सा नहीं लेगा।'

भारतीय हॉकी के 100 साल: हॉकी इंडिया ने अनुदानों की घोषणा की, सात नवंबर को महोत्सव

महाबलीपुरम (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने यहां अपनी 15वीं कांग्रेस के दौरान राष्ट्रीय और जमीनी स्तर के टूर्नामेंट के समर्थन के लिए अपने वित्तीय अनुदान में पर्याप्त वृद्धि की घोषणा की है। अब से सीनियर पुरुष और सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए 70-70 लाख रुपये, जूनियर पुरुष, जूनियर महिला, सब जूनियर पुरुष और सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन के लिए 30-30 लाख रुपए आवंटित किए जाएंगे।

इसके अलावा जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के समर्थन के लिए प्रत्येक राज्य को 25 लाख रुपए दिए जाएंगे। हॉकी इंडिया ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इन बढ़े हुए अनुदानों का उद्देश्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, आयोजन की गुणवत्ता में सुधार करना और स्थानीय स्तर पर वित्तीय बाधाओं को कम करके व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस सहयोग से हजारों उभरते खिलाड़ियों, कोचों और जमीनी स्तर के अधिकारियों को लाभ होने की उम्मीद है जो भारतीय हॉकी के भविष्य की रीढ़ हैं।

भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में इस कांग्रेस में कई ऐतिहासिक घोषणाएं हुईं जिनमें 7 नवंबर को एक राष्ट्रव्यापी उत्सव का आयोजन भी शामिल है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में हॉकी इंडिया एक राष्ट्रव्यापी उत्सव का आयोजन करेगा जिसमें एक साथ 1,000 मैच होंगे (देश के प्रत्येक जिले में एक पुरुष और एक महिला मैच) जिसमें 36,000 से ज्यादा खिलाड़ी (18,000 पुरुष और 18,000 महिलाएं) भाग लेंगे। यह पहल देश के कोने-कोने से खिलाड़ियों को एक साथ लाएगी।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए हम न केवल अपनी स्वर्णिम विरासत का सम्मान करते हैं बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत नींव भी रखते हैं। यह राष्ट्रव्यापी उत्सव भारतीय हॉकी को आगे बढ़ाने वाले हर खिलाड़ी, कोच और प्रशंसक के लिए सम्मान है।' उन्होंने कहा, 'हम जिस वित्तीय सहायता की घोषणा कर रहे हैं, वह अगली पीढ़ी के सपनों में निवेश है जिससे सुनिश्चित करते हैं कि संसाधनों की कमी के कारण कोई भी प्रतिभा पीछे नहीं छूटे।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रावण मास पर रुद्र के माहात्म्य

सावन में रुद्राभिषेक की परंपरा है। शिवजी को रुद्र इसलिए कहा जाता है, क्योंकि मान्यता है कि वे रुत अर्थात दैहिक, दैविक और भौतिक दुखों का नाश करते हैं। श्रावण मास पर रुद्र के माहात्म्य पर आलेख..

वेद सर्वाधिक प्राचीन ग्रंथ माने जाते हैं। शास्त्रों के अनुसार, वेद- शिव- शिवो वेद- यानी वेद शिव हैं और शिव वेद हैं। अर्थात शिव वेदस्वरूप हैं। इसके साथ ही वेद को भगवान सदाशिव का निःश्वास बताते हुए उनकी स्तुति में कहा गया है - यस्य निःश्वसितं वेदायो वेदेभ्योखिलं जगत। निर्ममे तमहं वंदे विद्यातीर्र्थ महेश्वरम।। अर्थात वेद जिनके निःश्वास हैं, जिन्होंने वेदों के माध्यम से संपूर्ण सृष्टि की रचना की है और जो समस्त विद्याओं के तीर्थ हैं, ऐसे देवों के देव महादेव की मैं वंदना करता हूं। सनातन संस्कृति में वेदों की तरह शिव जी को भी अनादि कहा गया है।

वेदों में साम्ब सदाशिव को रुद्र नाम से पुकारा गया है। शिवजी को रुद्र इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये रुत अर्थात दुख को दूर कर देते हैं। जो दैहिक, दैविक और भौतिक दुखों का नाश करते हैं, वे रुद्र हैं। इसीलिए उन्होंने त्रिशूल धारण किया है। रुद्रहृदयोपनिषद कहता है, सर्वदेवात्मको रुद्रः- अर्थात रुद्र सर्वदेवमय हैं। अथर्व शिखोपनिषद भी इसका समर्थन करता है - रुद्रो वै सर्वा देवता अर्थात रुद्र समस्त देवताओं का स्वरूप हैं। यजुर्वेद के रुद्राध्याय में रुद्रोपासना का विधान मिलता है। इसमें रुद्र शब्द के सौ पर्यायवाची नामों का उल्लेख होने से इसे शतरुद्री भी कहते हैं। माना जाता है कि शतरुद्री के माहात्म्य का उपदेश महर्षि याज्ञवल्क्य ने राजा जनक को दिया था। श्वेताश्वतरोपनिषदके अनुसार, महाप्रलय के समय एकमात्र रुद्र ही विद्यमान रहते हैं। श्रुतियों से यह तथ्य विदित होता है कि रुद्र ही परमपुरुष यानी आदिदेव साकार बहमा हैं, जिनके द्वारा ही सृष्टि की रचना, पालन और संहार होता है। ब्रहमा, विष्णु और महेश इनकी त्रिमूर्ति हैं। रुद्र का परिचय शास्त्रों में इस प्रकार भी दिया गया है - अशुभं द्रावयन् रुद्रो यज्जाहार पुनर्भवम। ततः स्मृताभिधो रुद्रशब्देनात्राभिधीयते।। अर्थात जो प्राणी जीवनकाल में सब अनिष्टों को दूर करते हैं और शरीर त्यागने पर मुक्ति प्रदान करते हैं, वे सदाशिव रुद्र के नाम से जाने जाते हैं। इसी कारण दुखों-कष्टों से मुक्ति तथा सद्गति प्राप्त करने के उद्देश्य से मनुष्य रुद्रोपासना करता आया है।

रुद्र को अभिषेकप्रिय रुद्र कहा गया है, यानी उन्हें अभिषेक पसंद है। इसीलिए सावन के महीने में रुद्र का अभिषेक किया जाता है। सामान्यतः लोग जल द्वारा अभिषेक करते हैं, तो सामर्थ्यवान दूध, दही, शहद आदि विभिन्न द्रव्यों से उनका अभिषेक करते हैं। मान्यता है कि श्रावण मास में भगवान शिव ने समुद्र मंथन से उत्पन्न विष को जनकल्याण के लिए पिया था, तब इंद्र ने शीतलता देने के लिए वर्षा की थी, इसी कारण श्रावण मास में शिव जी को जल अर्पित करने की परंपरा शुरू हुइ। भगवान शंकर की शक्ति पार्वती पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं। हमने पर्वतीय क्षेत्र को जो क्षति पहुंचाई है, उसके विनाशकारी परिणाम दिखाई देते हैं। इसलिए हमें हिमालय की पवित्रता बनाए रखने का संकल्प इस सावन में लेना चाहिए, तभी शिवार्चन सफल हो सकेगा और शिव हमेशा कल्याणकारी होंगे।

सावन सोमवार
हर हर भोले नमः शिवाय

सावन और शिव का भारतीय संस्कृति से गहरा मेल है। सावन के झूलों से लेकर सावन सोमवार की बेलपत्री तक..सब कुछ मानो भावनाओं को हरा-भरा कर देने वाला। सावन के आते ही शिव भक्तों में पूजा अर्चना के लिए नई उमंग का संचार हो गया है। चारों ओर गूंजने लगे हैं बोल बम.. के जयकारे और हरे व केसरिया रंग से धरती पट सी गई है। सावन सोमवार को शिवालयों में सुबह से शाम तक भक्तों का तांता लगा रहेगा। हर कोई भोले से वरदान मांगने पहुंच जाता है उनके द्वार। शास्त्रों और पुराणों का कहना है कि श्रावण मास भगवान शंकर को अत्यंत प्रिय है। इस माह में शिवार्चना के लिए प्रमुख सामग्री बेलपत्र और धतूरा सहज सुलभ हो जाता है। सच पूछा जाए तो भगवान शिव ही ऐसे देवता है, जिनकी पूजा-अर्चना के लिए सामग्री को लेकर किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती। अगर कोई सामग्री उपलब्ध न हो तो जल ही काफी है। भक्ति भाव के साथ जल अर्पित कीजिए और भगवान शिव प्रसन्न।

जल चढ़ाओ और जो चाहे मांग लो

शास्त्रों के अनुसार श्रावण मास भगवान शकर को विशेष प्रिय है। अतः इस मास में आशुतोष भगवान शकर की पूजा का विशेष महत्व है। सोमवार शकर का प्रिय दिन है। इसलिए श्रावण सोमवार का और भी विशेष महत्व है। भगवान शकर का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ करके प्रत्येक सोमवार को शिवजी का व्रत किया जाता है। प्रातः काल गगा या किसी पवित्र नदी सरोवर या घर पर ही विधि पूर्वक स्नान करने का विधान है। इसके बाद शिव मदिर जाकर या घर में पार्थिव मूर्ति बना कर यथा विधि से रुद्राभिषेक करना अत्यत ही फलदायी है। इस व्रत में श्रावण महात्म्य और विष्णु पुराण कथा सुनने का विशेष महत्व है।

ऐसे करें शिव को प्रसन्न

श्रावण मास में आने वाले सोमवार के दिनों में भगवान शिवजी का व्रत करना चाहिए और व्रत करने के बाद भगवान श्री गणेश जी, भगवान शिवजी, माता पार्वती व नन्दी देव की पूजा करनी चाहिए। पूजन सामग्री में जल, दुध, दही, चीनी, घी, शहद, पंचामृत,मोली, वस्त्र, जनेऊ, चन्दन, रोली, चावल, फूल, बेल-पत्र, भा ग, आक-धतूरा, कमल,गट्ठा, प्रसाद, पान-सुपारी, लौंग, इलायची, मेवा, दक्षिणा चढाया जाता है। इस दिन धूप दीया जलाकर कपूर से आरती करनी चाहिए। व्रत के दिन पूजा करने के बाद एक बार भोजन करना चाहिए। और श्रावण मास में इस माह की विशेषता का श्रवण करना चाहिए।

श्रावण मास शिव उपासना महत्व

भगवान शिव को श्रावण मास सबसे अधिक प्रिय है। इस माह में प्रत्येक सोमवार के दिन भगवान श्री शिव की पूजा करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। इस मास में भक्त भगवान शकर का पूजन व अभिषेक करते है। सभी देवों में भगवान शकर के विषय में यह मान्यता प्रसिद्ध है, कि भगवान भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होते है। एक छोटे से बिल्वपत्र को चढ़ाने मात्र से तीन जन्मों के पाप नष्ट होते है।

श्रावण मास के विषय में प्रसिद्ध एक पौराणिक मान्यता के अनुसार श्रावण मास के सोमवार व्रत, एक प्रदोष व्रत तथा और शिवरात्री का व्रत जो व्यक्ति करता है, उसकी कोई कामना अधूरी नहीं रहती है। 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के समान यह व्रत फल देता है।

इस व्रत का पालन कई उद्देश्यों से किया जा सकता है। महिलाएं श्रावण के 16 सोमवार के व्रत अपने वैवाहिक जीवन की लंबी आयु और संतान की सुख-समृद्धि के लिये करती है, तो यह अविवाहित कन्याएं इस व्रत को पूर्ण श्रद्धा से कर मनोवाछित वर की प्राप्ति करती है। सावन के 16 सोमवार के व्रत कुल वृद्धि, लक्ष्मी प्राप्ति और सुख -सम्मान के लिये किया जाता है।

शिव पूजन में बेलपत्र प्रयोग करना

भगवान शिव की पूजा जब बेलपत्र से की जाती है, तो भगवान अपने भक्त की कामना बिना कहे ही पूरी करते है. बिल्व पत्र के बारे में यह मान्यता प्रसिद्ध है, कि बेल के पेड़ को जो भक्त पानी या गंगाजल से सींचता है, उसे समस्त तीथरें की प्राप्ति होती है। वह भक्त इस लोक में सुख भोगकर, शिवलोक में प्रस्थान करता है। बिल्व पत्थर की जड़ में भगवान शिव का वास माना गया है। यह पूजन व्यक्ति को सभी तीथरें में स्नान करने का फल देता है।

सावन माह व्रत विधि

सावन के व्रत करने से व्यक्ति को सभी तीथरें के दर्शन करने से अधिक पुन्य फल प्राप्त होते है। जिस व्यक्ति को यह व्रत करना हो, व्रत के दिन प्रातः काल में शीघ्र सूर्योदय से पहले उठना चाहिए। श्रावण मास में केवल भगवान श्री शकर की ही पूजा नहीं की जाती है, बल्कि भगवान शिव की परिवार सहित पूजा करनी चाहिए। सावन सोमवार व्रत सूर्योदय से शुरु होकर सूर्यास्त तक किया जाता है। व्रत के दिन सोमवार व्रत कथा सुननी चाहिए। तथा व्रत करने वाले व्यक्ति को दिन में सूर्यास्त के बाद एक बार भोजन करना चाहिए।

प्रातःकाल में उठने के बाद स्नान और नित्यक्रियाओं से निवृत होना चाहिए। इसके बाद सारे घर की सफाई कर, पूरे घर में गंगा जल या शुद्ध जल छिड़कर, घर को शुद्ध करना चाहिए। इसके बाद घर के ईशान कोण दिशा में भगवान शिव की मूर्ति या चित्र स्थापित करना चाहिए। मूर्ति स्थापना के बाद सावन मास व्रत संकल्प लेना चाहिए।

श्रीमल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन से पूरी होती हैं मनोकामनाएं

दक्षिण भारत में कैलाश के नाम से मशहूर आंध्र प्रदेश का श्रीमल्लिकार्जुन मंदिर भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह ज्योतिर्लिंग कृष्णा नदी के तट पर श्रीसैलम नाम के पर्वत पर स्थित है। ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर के दर्शन करने से सात्विक मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

श्रीमल्लिकार्जुन का पौराणिक महत्व

एक बार भगवान शिव और पार्वती के पुत्र कार्तिकेय स्वामी और गणेश अपने विवाह के लिए आपस में कलह करने लगे। कार्तिकेय का मानना था कि वे बड़े हैं, इसलिए उनका विवाह पहले होना चाहिए, किन्तु श्री गणेश अपना विवाह पहले कराने को लेकर जिद्द पर अड़े थे। जब दोनों के झगड़े की वजह पिता महादेव और माता पार्वती को पता लगी तो उन्होंने इस झगड़े को खत्म करने के लिए कार्तिकेय और गणेश के सामने एक प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि तुम दोनों में जो कोई भी पृथ्वी की परिक्रमा करके पहले यहां आ जाएगा, उसी का विवाह पहले होगा। शर्त सुनते ही कार्तिकेय जी पृथ्वी की परिक्रमा करने के लिए दौड़ पड़े लेकिन गणेशजी के लिए तो यह कार्य बड़ा ही कठिन था।

गणेश जी शरीर से स्थूल किन्तु बुद्धि के सागर थे। उन्होंने एक उपाय सोचा और अपनी माता पार्वती तथा पिता देवाधिदेव महेश्वर से एक आसन पर बैठने का आग्रह किया। गणेश ने उनकी सात परिक्रमा की। इस तरह से वह पृथ्वी की परिक्रमा से प्राप्त होने वाले फल की प्राप्ति के अधिकारी बन गए। उनकी चतुर बुद्धि को देख कर शिव और पार्वती दोनों काफी खुश हुए और उन्होंने श्रीगणेश का विवाह कार्तिकेय से पहले करा दिया। जब तक स्वामी कार्तिकेय सम्पूर्ण पृथ्वी की परिक्रमा करके वापस आए, उस समय तक श्रीगणेश जी का विवाह विश्वरूप प्रजापति की पुत्रियों सिद्धि और बुद्धि के साथ हो चुका था, जिनसे उन्हें क्षेम तथा लाभ नामक दो पुत्र भी प्राप्त हो चुके थे।

यह सब देखकर स्वामी कार्तिकेय नाराज हो गए और क्रौंच पर्वत की ओर चले गए। उन्हें मनाने के लिए देवर्षि नारद को भेजा गया लेकिन वह नहीं माने। कार्तिकेय के चले जाने पर माता पार्वती भी क्रौंच पर्वत पहुंचीं। उधर भगवान शिव भी ज्योतिर्लिंग के रूप में वहां प्रकट हुए। तभी से वह मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के नाम से विख्यात हुए। मल्लिका माता पार्वती का नाम है, जबकि अर्जुन भगवान शंकर को कहा जाता है। इस कथा के अलावा और भी कई कथाएं हैं जो मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के बारे में कही जाती हैं।

कैसे पहुंचे - मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग आंध्र प्रदेश के श्रीसैलम में मौजूद है। आप सड़क, रेल और हवाई यात्रा के जरिए इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकते हैं। सड़क के जरिए श्रीसैलम पूरी तरह से जुड़ा हुआ है। विजयवाड़ा, तिरुपति, अनंतपुर, हैदराबाद और महबूबनगर से नियमित रूप से श्रीसैलम के लिए सरकारी और निजी बसें चलाई जाती हैं। श्रीसैलम से 137 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैदराबाद का राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट सबसे नजदीकी एयरपोर्ट है। यहां से आप बस या फिर टैक्सी के जरिए मल्लिकार्जुन पहुंच सकते हैं। यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन मर्कापुर रोड है जो श्रीसैलम से 62 किलोमीटर की दूरी पर है।

एतिहासिक जंगेश्वर मंदिर

प्राचीन व एतिहासिक शिव मंदिरों में से एक पलवल के जंगेश्वर मंदिर में श्रावण माह में हर सोमवार को हजारों श्रद्धालु आकर पूजा अर्चना करते हैं। इस मंदिर की मान्यता दूर-दूर तक है। पुराने शहर में स्थापित यह मंदिर लोगों की आस्था का मुख्य केंद्र माना जाता है। पड़वा से पूनो तक श्रावण माह में विशेष पूजा अर्चना की जाती है।

पौराणिक व एतिहासिक महत्व

मंदिर का पौराणिक व एतिहासिक महत्व है। यह इसके नाम से ही पता लगता है। मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। पहले इस मंदिर को विधर्मियों ने तोड़कर इसके ऊपर अन्य निर्माण कर दिए थे। फिर इसे काफी संघर्ष के बाद हासिल किया गया। खुदाई की गई तो प्राचीन शिवालय निकला। सन् 1802 में इस मंदिर का पुनः निर्माण किया गया।

मूर्ति व मंदिर के निर्माण की विशेषता

मंदिर में स्थापित शिवलिंग पत्थर का है। मौजूदा लोगों में से किसी को नहीं मालूम कि यह कितना पुराना है। मंदिर के पुजारी राम कुमार बताते हैं कि यह कुदरती है। इस शिवालय का मुख्य मुख पूर्व की तरफ है। जबकि इसके दो अन्य दरवाजे पश्चिम व दक्षिण की तरफ खुलते हैं।

मंदिर की स्थापत्य शैली

जंगेश्वर मंदिर की स्थापत्य शैली अन्य शिव मंदिरों की तरह ही है। इसका निर्माण कखैया ईटों व व चूने से किया गया है। बाद का सारा निर्माण बड़ी ईटों व सीमेंट का है। मंदिर की दीवारों पर देवी-देवताओं के चित्र बने हुए हैं।

पूजा, दिनचर्या, सामग्री व आराधना

मंदिर में रोजाना पूजा अर्चना होती है। रोजाना सैकड़ों लोग पूजा अर्चना करते हैं। श्रावण माह में यह संख्या हजारों में पहुंच जाती है। मंदिर में मेले का सा माहौल रहता है। सोमवार को विशेष श्रृंगार किया जाता है। बेल पत्र, आक, धतूरे शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। पलवल से बाहर के श्रद्धालु भी पूजा अर्चना के लिए आते हैं।

श्रावण माह में प्रतिदिन शाम को दूध-दही, गंगाजल, शहद आदि से शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। हर सोमवार को फूल बंगला सजाया जाता है। ठंडाई व खीर का प्रसाद बांटा जाता है। अब पुराना मंदिर तोड़कर नया मंदिर बनाया गया है। उनके अनुसार शिवलिंग पृथ्वी से निकलकर अपने आप स्थापित हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्राइम ब्रांच ने रेव पार्टी पर मारा छापा, 7 लोगों के साथ पूर्व मंत्री एकनाथ के दामाद भी गिरफ्तार

पुणे (एजेंसी)। पुणे पुलिस की अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) ने रेव पार्टी पर छापामार कार्रवाई करते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर का नाम भी शामिल हैं। रेव पार्टी स्थल से पुलिस ने कोकेन सहित कई नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। पुलिस ने रविवार सुबह बताया कि पुणे शहर के पॉश खराडी इलाके में एक स्टूडियो अपार्टमेंट में रेव पार्टी की सूचना मिली थी, इस पर अपराध शाखा की टीम ने छापामार कार्रवाई की। छापेमारी में पुलिस ने गांजा, शराब और हुक्का जैसे नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। इसी के साथ पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें पांच पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। जानकारी अनुसार प्रांजल खेवलकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) की नेता एडवोकेट रोहिणी खडसे के पति हैं। इंस्टाग्राम प्रोफाइल में प्रांजल एक उद्यमी, समाजसेवी और डॉक्टर भी हैं। एक अन्य जानकारी अनुसार वे व्यवसायी और निर्माता भी हैं। उन्होंने अपने बैनर समर प्रोडक्शंस के तहत बनाए गए संगीत वीडियो ना होना तुमसे दूर से मनोरंजन उद्योग में भी कदम रखा था। इस पूरे मामले में पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे का कहना है कि इस घटना के बारे में अभी उन्हें विशेष जानकारी प्राप्त नहीं हुई है और वे अधिक जानकारी जुटा रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पांच लोग गिरफ्तार

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ संयुक्त अभियान चलाकर आईएसआई समर्थित एक अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने रविवार को बताया कि इस कार्रवाई में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए गिरोह के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध थे। आरोपियों के पास से एक ए.के. सैगा 308 असॉल्ट राइफल, दो मैगजीन, दो 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल (चार मैगजीन सहित), एके राइफल के 90 कारतूस, पिस्तौल के 10 कारतूस, 7.50 लाख रुपये नकद, एक कार और तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए। डीजीपी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह खेप गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया के सहयोगी नव पंडोरी को पहुंचाई जानी थी। इससे आतंकवाद और गैंगस्टर नेटवर्क के बीच साठगांठ की पुष्टि होती है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जोबनजीत सिंह उर्फ जोबन और गोरा सिंह (रंगगढ़ गांव), शेनशान उर्फ शालू (रसूलपुर कल्लर, अमृतसर), सनी सिंह और जसप्रीत सिंह उर्फ मोटू (रूपनगर) के रूप में हुई है।

दिल्ली एलजी ने टॉकीजों को लाइसेंस देने का अधिकार अब सरकार को सौंपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने टॉकीज, थिएटर और मल्टीप्लेक्स को लाइसेंस देने का अधिकार पुलिस से वापस ले लिया और सरकार को दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को जारी एक आदेश में एलजी ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया कि वह संबंधित पुलिस अधिकारियों को चलचित्र अधिनियम के तहत लाइसेंस देने से संबंधित मामलों से तत्काल प्रभाव से अलग रहने का निर्देश दें। अधिकारी ने बताया कि लाइसेंसिंग व्यवस्था को और उदार बनाने व दिल्ली में कारोबार को सुगम बनाने के उद्देश्य से उठाए गए इस कदम से संबंधित जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता वाली समिति के पास लाइसेंस देने की सिफारिश करने का अधिकार होगा। समिति में संबंधित एमसीडी जोन के उपायुक्त, लोक निर्माण विभाग के सचिव की ओर से नामित एक संरचनात्मक इंजीनियर, दिल्ली अग्निशमन सेवा के मुख्य अग्निशमन अधिकारी की ओर से नामित एक अग्नि सुरक्षा विशेषज्ञ और बिजली विभाग के सचिव की ओर से नामित एक विद्युत प्रणाली विशेषज्ञ शामिल होंगे। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का एक प्रतिनिधि भी जिला मजिस्ट्रेट द्वारा नामित किया जाएगा। एलजी ने स्विमिंग पूल, भोजनालय, होटल, गेस्ट हाउस, डिस्कोथेक, वीडियो गेम पार्लर, मनोरंजन पार्क और ऑडिटोरियम समेत सात श्रेणियों के व्यवसायों को लाइसेंस जारी करने का अधिकार भी पुलिस से वापस ले लिया था।

झज्जर में लिंग जांच गिरोह का भंड़ाफोड़, 55000 रुपए में करते थे सौदा

-पुलिस ने नकली ग्राहक बनाकर बिछाया जाल, आरोपी मां-बेटा गिरफ्तार

झज्जर (एजेंसी)। हरियाणा के झज्जर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अवैध लिंग जांच गिरोह का भंड़ाफोड़ किया है। आरोपियों में मां और बेटा भी शामिल हैं। दोनों की गिरफ्तारी के बाद कोर्ट ने दो दिनों के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। बताया जा रहा है कि मामले की मुख्य आरोपी डॉ. हेमलता खुद को बीएएमएस डॉक्टर बताती थी और उसने इस पूरे घटनाक्रम में बाहरी लोगों के साथ ही अपने बेटे को भी शामिल किया था। मामले में पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड से गर्भ की जांच करने वाले दिल्ली नांगलोई के एक ऑपरेटर की पुलिस को तलाश कर रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग की टीम को एक गुप्त सूचना मिली थी कि झज्जर में हेमलता नामक एक महिला जो खुद को बीएएमएस डॉक्टर बताती है गर्भ में पल रहे लिंग की जांच करती है। बाद में संबंधित गर्भवती महिला को उसके पेट में बेटी होने का हवाला देकर अपने क्लीनिक पर ही उसका गर्भपात कर मोटी रकम ऐंठती है। इस सूचना पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने इस गिरोह का भंडाफोड़ करने के लिए एक नकली ग्राहक को तैयार किया जो चार महीने की गर्भवती थी। इस ग्राहक ने पीएनडीटी टीम के कहने पर डॉ हेमलता को फोन किया और कहा कि उसको पहले तीन लड़कियां हैं और उसको अब लड़का चाहिए। वह अल्ट्रासाउंड जांच करवानी है। कुछ देर बातचीत के बाद डॉ हेमलता ने इस नकली ग्राहक के साथ 55000 रुपए में लिंग जांच का सौदा तय किया। उसने पैसे लेकर अपने घर बुलाया।

सरकार ने चेताया कहा- दूसरों को बलि का बकरा बनाने की कोशिश न करे एयर इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद एयर इंडिया पर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। हादसे के बाद विमानों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं जाहिर की जाने लगी हैं। इसी के चलते केंद्रीय उड्डयन मंत्रालय और टाटा संस व एयर इंडिया के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के बीच मैराथन मीटिंग हुई है। इस मीटिंग में सरकार की तरफ से दो अहम सुझाव दिए गए हैं। इनमें से पहला सुझाव यह है कि एयर इंडिया के सभी डिपार्टमेंट में जिम्मेदार अपनी भूमिका निभाएं। दूसरों को बलि का बकरा बनाने से बचें। सुरक्षा संबंधी सभी फैसले अहम पदों पर बैठे लोग खुद लें और किसी अन्य के भरोसे न छोड़ें। इसके अलावा फ्लाइट के रख-रखाव को लेकर भी सुझाव दिए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि खानापूर्ति से काम नहीं चलने वाला है।

इस बैठक में अहमदाबाद में हुए हादसे के साथ-साथ तमाम अन्य छोटी-बड़ी समस्याओं को लेकर भी बात हुई है। बैठक में केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू, सचिव समीर कुमार सिन्हा और डीजीसीए चीफ फैज अहमद किदवई ने

एयर इंडिया के चेयरमैन चंद्रशेखरन से मुलाकात की। इस दौरान एयर इंडिया की सुरक्षा को पुख्ता बनाने को लेकर चर्चा हुई। चंद्रशेखरन ने इस दौरान मिले सुझावों को लागू करने पर सहमति भी जताई। मामले की जानकारी रखने वालों के मुताबिक उड़ान से पहले कुछ विभागों की भूमिका काफी अहम हो जाती है। इनमें सुरक्षा, ट्रेनिंग, मेन्टेनेंस, इंजीनियरिंग और इंटीग्रेटेड ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर है। ऐसा सामने आया है कि इनमें से कुछ डिपार्टमेंट्स में केवल खानापूर्ति हो रही है। पदों पर कोई और बैठा है, फैसले कोई और ले रहा है। एयर इंडिया मैनेजमेंट और उड्डयन मंत्री के बीच बैठक के दौरान एक और अहम बात सामने आई। मैनेजमेंट ने बताया कि पूर्व में क्रैश हुए विमानों (एआई 171 नहीं) की चीजें गुरुग्राम स्थित मेगा कॉम्प्लेक्स में रखी हुई हैं। इसमें सीटें, इंस्ट्रूमेंट्स, फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर आदि हैं। बहुत से कर्मचारियों को यह पसंद नहीं आया है। वह इन चीजों को देखकर एक तरह की निगेटिविटी से भर जाते हैं कि इन्हीं सीटों पर किसी की जान निकली होगी। बहुत से कर्मचारियों ने कहा कि हमें बहुत ज्यादा सकारात्मकता की जरूरत है। हम उन सीटों को देखकर अंदर से डर जाते हैं।

कई अन्य हादसों का जिक्र

12 जून को एयर इंडिया 171 के साथ हुए हादसे के अलावा अन्य छोटे-बड़े हादसों पर मंत्रालय ने एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन के साथ उच्च स्तरीय चर्चा की हैं। चंद्रशेखरन के साथ हुई बैठक में भी इन बातों का जिक्र हुआ। यह भी सामने आया है कि जांच के दौरान एयर इंडिया के कई अधिकारियों ने पूछताछ के दौरान कुछ अहम बातें बताईं। इसमें कुछ लोगों को बलि का बकरा बनाने की बातें भी कही गईं। जैसे, 21 जून को डीजीसीए ने एयर इंडिया के तीन अधिकारियों को हटाने के निर्देश दिए। इन्हें लाइसेंसिंग, रेस्ट आदि में लापरवाही का जिम्मेदार बताया गया।

राज ठाकरे मातोश्री पहुंच उद्धव को दी जन्मदिन की बधाई

-इससे 6 साल पहले बेटे की शादी का देने गए थे न्योता

मुंबई (एजेंसी)। राज और उद्धव ठाकरे के बीच की दूरियां अब धीरे-धीरे समाप्त हो रही हैं। यही वजह है कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) चीफ राज ठाकरे रविवार को उद्धव ठाकरे से मिलकर बधाई देने मातोश्री आए हैं। यहां राज ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे को गुलदस्ता भेंट कर गले लगाया और जन्मदिन की बधाई दी है। यहां बताते चलें कि इस मुलाकात से 6 साल पहले 2019 में राज ठाकरे मातोश्री आए थे। दरअसल तब वे उद्धव ठाकरे परिवार को अपने बेटे अमित की शादी का न्योता देने आए थे। और पीछे की बात करें तो 2012 में राज मातोश्री तब आए थे जबकि बालासाहेब ठाकरे बीमार चल रहे थे। बहरहाल 20 साल बाद 5 जुलाई को उद्धव और राज मुंबई के वर्ली डोम में एक रैली के दौरान साथ-साथ नजर आए तभी कयास लगाए जा रहे थे कि अब ये नजदीकियां बढ़ती जाएंगी। इस अवसर पर दोनों ने ही आगे साथ-साथ चलने और मिलकर राजनीति करने के संकेत भी दिए थे। यही कारण है कि उद्धव के जन्मदिन पर राज खुद मातोश्री पहुंचे हैं और उन्हें गले लगाकर बधाई दी है।

सिर्फ उपाधि देने से कोई बाबा साहेब अंबेडकर नहीं बन सकता

-राहुल गांधी दूसरा अंबेडकर साबित होंगे के बयान पर केंद्रीय मंत्री ने कसा तंज

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल गांधी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा है कि राहुल गांधी दूसरा अंबेडकर साबित होंगे। इस पर गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि सिर्फ उपाधि देने से कोई अंबेडकर नहीं बन सकता। राहुल गांधी को अंबेडकर की उपाधि देने पर प्रतिक्रिया देते हुए शेखावत ने कहा कि उनकी पार्टी उन्हें जो भी उपाधि दे, कोई नहीं रोक सकता है, लेकिन बाबासाहेब अंबेडकर बनने के लिए कठोर तपस्या, गहरी सोच, अध्ययन और खुले विचारों की जरूरत है। सिर्फ उपाधि देने से कोई अंबेडकर नहीं बन सकता। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को जोधपुर में थे। वहां झालावाड़ में स्कूल भवन गिरने से हुई दुखद घटना पर शोक व्यक्त किया और कहा कि जांच पूरी होने के बाद निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि ऐसा हादसा भविष्य में दोबारा न हो। इसके लिए सभी सरकारी विद्यालयों और सार्वजनिक भवनों का ऑडिट करवाया जाएगा। सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में इस संबंध में निर्देश भी दिए जा चुके हैं।

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर उन्होंने कहा कि इस्तीफा देना या मांगना राजनीतिक प्रेरित बयान होते हैं। जो कुछ हुआ वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था और टाला जा सकता था। अब हमें इससे सबक लेने की जरूरत है। इस दौरान नीतीश कुमार सरकार को लेकर चिराग पासवान की हालिया टिप्पणी पर शेखावत ने कहा कि ऐसे विषयों पर फौरी टिप्पणी करना जरुरी नहीं। एनडीए के सभी घटक दल एकजुट हैं और बिहार चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनेगी। बता दें बिहार की आपराधिक घटनाओं पर चिराग ने कहा था कि मुझे शर्म है ऐसी सरकार को समर्थन देने में, जहां अपराध बेलगाम हो चुका है। बिहार में युवती से एंबुलेंस में दुष्कर्म की घटना पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव द्वारा दिए गए बयान कि अपराध इतना बढ़ गया है कि अपराधी सम्राट बन गया है।

गुजरात में मॉनसून फिर भारी बारिश, कई जिलों में रेड और ओरेंज अलर्ट जारी

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में मॉनसून फिर सक्रिय हो गया है, जिसके चलते राज्य में बारिश शुरु हो गई है। मौसम विभाग ने अगले सात दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान जताया है। रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में हुई बारिश में सबसे ज्यादा बारिश बनासकांठा के वडगाम में साढ़े सात इंच दर्ज की गई। भारी बारिश के कारण शहर में जलभराव हो गया और बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए।

इसके अलावा मोडासा में सवा छह इंच, तलोद में साढ़े पांच इंच, सिद्धपुर में सवा पांच इंच, कपराडा और दहेगाम में पांच इंच दर्ज की गई। इसके अलावा दीसा में 95 मिमी दर्ज की गई। डांग में 82.5 मिमी, अहमदाबाद में 47 मिमी, सूरत में 39 मिमी, गांधीनगर में 28 मिमी, राजकोट में 9 मिमी, बडोदा में 3 मिमी और वेरावल में 2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

आईएमडीद ने रविवार को अगले कुछ घंटों के दौरान प्रदेश के बनासकांठा,

साबरकांठा, अरावल्ली, खेड़ा, पाटण, मेहसाणा, गांधीनगर, अहमदाबाद और सुरेंद्रनगर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी कर भारी बारिश का अनुमान जताया है। इसके अलावा भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, कच्छ, मोरबी, जामनगर, राजकोट, बोटाद, भावनगर, आणंद, महिसागर, दाहोद, पंचमहल, छोटा उदयपुर, वडोदरा, आणंद, नवसारी, डांग और वलसाड़ जिलों के लिए ओरेंज अलर्ट जारी करते हुए इन जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है।

रविवार को मौसम विभाग ने तापी, नवसारी,छोटा उदयपुर, नर्मदा और वलसाड जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए इन जिलों में अत्यधिक भारी तथा कुछ स्थानों पर अति भारी बारिश हो सकती है। इसके साथ ही इन जिलों में तेज हवाएं चलने और बिजली गिर सकती है। इसके अलावा साबरकांठा, अरावल्ली, महिसागर, दाहोद, पंचमहल, वडोदरा, भरूच, सूरत और डांग जिलों के लिए ओरेंज अलर्ट जारी करते हुए इन जिलों में बहुत भारी बारिश होन का पूर्वानुमान लगाया है।

सोमवार को मौसम विभाग ने साबरकांठा, अरावल्ली और महिसागर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी कर भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके साथ ही इन जिलों में तूफान आने व बिजली गिरने की संभावना है। इसके अलावा विभाग ने बनासकांठा, पाटण, मेहसाणा, सुरेंद्रनगर, पंचमहल, दाहोद, छोटा उदयपुर, नर्मदा और नवसारी जिलों के लिए ओरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान यहां बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई है।

29 जुलाई को मौसम विभाग ने बनासकांठा और साबरकांठा जिलों के लिए ओरेंज अलर्ट जारी कर बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई है। इसके साथ ही इन जिलों में तूफान आने व बिजली गिरने की भी उम्मीद है। उत्तरी छत्तीसगढ़ और उससे सटे झारखंड पर बना अवदाब बहुत तेज़ी से करीब पश्चिम की ओर बढ़ा और उत्तरी छत्तीसगढ़ और उससे सटे पूर्वी मध्य प्रदेश पर केंद्रित हो गया। इसके मध्य प्रदेश में लगभग पश्चिम की ओर बढ़ते रहने और धीरे-धीरे कमजोर होकर एक सुस्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र में परिवर्तित होने की प्रबल संभावना है। औसत समुद्र तल पर मॉनसून की द्रोणिका अब अनूपगढ़, चुरू, ग्वालियर, रीवा, उत्तरी छत्तीसगढ़ और उससे सटे झारखंड पर अवदाब के केंद्र, पुरुलिया, कोंटाई से होकर दक्षिण-पूर्व की ओर पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी तक जा रही है।

फर्जी दूतावास चलाने वाले हर्षवर्धन को इंटरपोल से रेड कॉर्नर नोटिस जारी

जांच एजेंसियां आरोपी जैन को रिमांड पर लेकर करेंगी पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजियाबाद,(ईएमएस)। फर्जी दूतावास चलाने वाले हर्षवर्धन जैन के खिलाफ यूपी एसटीएफ ने इंटरपोल से संपर्क कर रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया है। खुद को राजदूत कहने वाले हर्षवर्धन से जुड़े रसूखदारों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। एसटीएफ और पुलिस की जांच में कुछ नए खुलासे हुए हैं। कई देशों में शेल कंपनियां खोलकर करोड़ों के लेनदेन के मामले में जैन के 18 खातों की जांच की जा रही है। इसकी पूरी रिपोर्ट इनकम टैक्स और ईडी को भी भेजी गई है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि शहर के कई रसूखदारों ने भी आरोपी के जरिए मोटी रकम इधर से उधर की है। ऐसे में वे भी कानून के शिकंजे में फंस सकते हैं। वहीं जांच एजेंसियां अब आरोपी को रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही हैं। इसके लिए सोमवार को कोर्ट में अर्जी लगाई जाएगी। रिमांड पर पूछताछ

के बाद कड़ियों को जोड़ा जाएगा। हर्षवर्धन जैन के यहां काम करने वाले कुछ लोगों के साथ ही करीबियों को सरकारी गवाह बनाने की तैयारी है, ताकि उनसे भी सुराग मिल सके।

बता दें कविनगर में रहने वाले हर्षवर्धन जैन पर आरोप है कि वह खुद को कई देशों का राजदूत बताकर लोगों को विदेश में काम दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करते थे। इसके चलते एसटीएफ से शिकायत की गई। फिर उसके घर पर छापेमारी की गई। उसके पास से विदेश मंत्रालय की कई मोहर व दस्तावेज मिले थे। घर में कई देशों की करंसी, विदेश मंत्रालय की मोहर, 20 जोड़े डिप्लोमैटिक कार की नंबर प्लेट, 12 फर्जी पासपोर्ट, हर्षवर्धन नाम के दो पैन कार्ड, कई देश व कंपनियों की 34 मोहरें, 12 कंपनियों की महंगी घड़ी, लैपटॉप, मोबाइल और आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड व दो प्रेस कार्ड समेत अन्य पेपर बरामद हुए।

बता दें हर्षवर्धन जैन ने लंदन से एमबीए किया है। वहां रहते हुए वह तांत्रिक चंद्रास्वामी के संपर्क में आए। चंद्रस्वामी ने जैन की मुलाकात आर्म्स डीलर अदनान खरगोशी और एहसान अली सैयद से कराई। एहसान के साथ मिलकर हर्षवर्धन ने कई शेल कंपनियां खड़ी कीं। इनमें करोड़ों रुपए का ट्रांजैक्शन करने का आरोप है। अब एसटीएफ और पुलिस कड़ियां जोड़ने में लगी हैं। सबसे पहले उसके साथ काम करने वाले कुछ कर्मचारी और करीबियों को सरकारी गवाह बनाने की तैयारी है।

गोरखपुर में अपहरण के सबसे ज्यादा मामले, ज्यादातर लड़कियों के गायब होने के

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर में 64 अपहरण के मामले दर्ज हुए हैं। वहीं, गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर व महराजगंज में यह आंकड़ा 117 तक पहुंच गया है। पुलिस का दावा है कि 60 फीसदी से ज्यादा मामलों में पीड़ित को बरामद किया है, लेकिन कई मामले ऐसे भी हैं जहां पुलिस की लापरवाही उजागर हुई है। जनवरी 2025 से अब तक गोरखपुर में 64, कुशीनगर में 40, महराजगंज में 7 और देवरिया में 6 अपहरण के मामले दर्ज किए गए। इनमें से ज्यादातर मामलों में नाबालिग लड़कियों के गायब होने की शिकायत है। जांच में कई मामले प्रेम-प्रसंग से जुड़े निकले, जबकि कुछ मामलों में परिजन की सूचना पर जबरन अपहरण की एफआइआर दर्ज कराई गई है।

पुलिस रिकार्ड के मुताबिक अब तक कुल मामलों में से करीब 60 फीसदी ही वर्कआउट हो सके हैं। गोरखपुर में सबसे अधिक 64 मामले दर्ज हैं, जिनमें 39 मामलों में बरामदगी की हुई है। शेष 25 मामले अब भी अधूरे हैं या विवेचना लंबित है। कुछ मामलों में पीड़ित पक्ष ने थानों में लापरवाही का आरोप भी लगाया। रामगढ़ताल क्षेत्र से लापता किशोरी की लोकेशन मुंबई में मिलने पर दारोगा ने पिता व रिश्तेदारों को भेज दिया। चार दिन मुंबई में भटकने के बाद वह लौट आए। किरकिरी होने पर अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम भेजी गई।

बता दें फिरौती के लिए अपहरण की घटनाएं आज भले कम हो गई हों, लेकिन एक दौर था जब डॉक्टर, उद्योगपति और नामी लोग सुरक्षित नहीं थे। 1999 से लेकर 2010 तक हर साल कोई न कोई वारदात सामने आई जिसमें अपहरण कर फिरौती मांगी गई, कई लोगों को पुलिस ने बड़ी मशक्कत से छुड़ाया, ऐसे लोग भी हैं जो फिरौती देकर छूटे। एक समय ऐसा था जब अपहरण शब्द लोगों के ज़ेहन में बैठ गया था। 1999 में गोरखनाथ के प्रसिद्ध डाक्टर का अपहरण हुआ। तीन साल बाद फिरौती के लिए बदमाश एक उद्योगपति को उठा ले गए। 2007 में शहर के दो डॉक्टरों का अपहरण हुआ। अपहर्ता उन्हें बिहार उठा ले गए जहां दियारा व सीमावर्ती गांवों में उन्हें छिपाकर रखा गया। इसके अलावा एक छात्र के अपहरण पर भी हंगामा मचा था।

गीडा के पिपरौली गांव के अलीम का सात वर्षीय अर्श स्कूल से घर नहीं लौटा। अपहर्ताओं ने 50 हजार की फिरौती मांगी, लेकिन बाद में 20 हजार पर आ गए। जब तक पुलिस कुछ कर पाती, पड़ोसी शेर अली और उसके दो बेटों ने अर्श की हत्या कर दी थी। शव बोरे में भर कर पोखरे के पास फेंक दिया गया। 2020 में जंगल धूषण इलाके से बलराम का अपहरण हुआ। पिता महाजन के पास एक करोड़ की फिरौती की मांग आई, लेकिन जब तक पुलिस सक्रिय हुई, बलराम की हत्या हो चुकी थी। मामले में नौ लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

जगदीप धनखड़ की कुर्सी चली गई पर कारणों की तलाश में अटकलों का दौर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिए करीब एक सप्ताह होने को है। इसके बाद भी इस्तीफा क्यों हुआ इसको लेकर अटकलों का दौर शुरु हो गया। मतलब जितने मुंह उतनी बातें शुरु हो गईं। कभी कहा गया कि धनखड़ की सरकार से अपेक्षाएं कुछ ज्यादा ही बढ़ गई थीं वो चाहते थे कि सभी सरकारी दफ्तरों में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के साथ उनकी भी तस्वीर लगाई जाए। अब कहा जा रहा है कि संसद टीवी में एक अफसर की नियुक्ति को लेकर भी विवाद खड़ा हुआ था। ऐसे कई कारण है जो इस्तीफे की असल वजह बताए जा रहे हैं।

दावा किया जा रहा है कि जगदीप धनखड़ ने अप्रैल में संसद टीवी के सचिव और इंचार्ज के रूप में एक अधिकारी की नियुक्ति करने के लिए अपने अधिकारों से परे जाकर काम किया। क्या वही नियुक्ति की कोशिश असल में उपराष्ट्रपति के इस्तीफे का कारण बना? जी हां, सरकारी टॉप सूत्रों ने इसे 'तख्तापलट जैसी स्थिति' कहा। अप्रैल में जगदीप धनखड़ ने एक ऐसी नियुक्ति की कोशिश की, जिसे केवल कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ही कर सकती है। यह कोशिश तब हुई, जब पीएम विदेश में थे और उनकी नियुक्ति रोकने के लिए सरकार के टॉप अफसरों को दखल देना पड़ा।

सूत्र के मुताबिक, जगदीप धनखड़ चाहते थे कि अप्रैल में तत्कालीन सचिव रजीत पुहनानी को कौशल विकास सचिव बनाए जाने के बाद एक जूनियर अधिकारी संसद टीवी के सचिव और प्रभारी का कार्यभार संभाले। ये एसीसी के पद हैं और राज्यसभा इन पर अधिकारियों की नियुक्ति नहीं कर सकती। राज्यसभा, लोकसभा, उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति इन पर नियुक्तियां नहीं कर सकते। अधिकारियों का चयन केंद्र सरकार की प्रस्तावित सूची में से किया जाना चाहिए। अधिकारियों का आवंटन एसीसी का काम है और केवल वही नियुक्तियां वैध मानी जाती हैं। जगदीप धनखड़ नियुक्ति वाला आदेश जारी करने वाले थे। सूत्रों ने आरोप लगाया, 'प्रधानमंत्री विदेश में थे और टॉप अधिकारियों को इसे रोकने के लिए दखल देना पड़ा। यहां तक कि उस अधिकारी को भी ज्वाइन न करने के लिए कहा गया। उसे बताया गया कि उसकी नियुक्ति अवैध है और कानूनी संकट पैदा होगा। इस नियुक्ति को टालने के लिए कैडर नियंत्रित प्राधिकरणों, पीएमओ और राज्यसभा सचिवालय के बीच कई कॉल किए गए। अधिकारी को यहां तक सुझाव दिया गया कि अगर ज्वाइन करने का दबाव आता है और राज्यसभा सचिवालय आदेश जारी करता है तो वह छुट्टी पर चला जाए। सूत्रों ने आरोप लगाया कि जगदीप धनखड़ ने अपने घर की शिफ्टिंग के दौरान भी बहुत तनाव पैदा किया था। इसके चलते सरकार ने उनकी शिकायत पर तत्कालीन शहरी विकास सचिव को बदल दिया था।

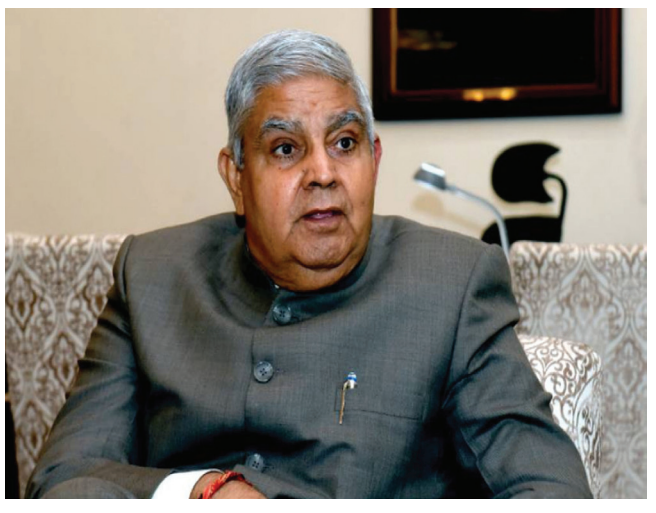

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिकी ने फिर पढ़े पाक की तारीफ में कसीदे, इशाक डार से मिले रुबियो

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार से स्टेट डिपार्टमेंट में मुलाकात की। इस उच्च-स्तरीय बैठक में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों पर चर्चा की। रुबियो ने आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान की भूमिका और क्षेत्रीय शांति में उसके योगदान की सराहना की, जिसे कूटनीतिक हलकों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बैठक के दौरान, रुबियो ने पाकिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों और आर्थिक संभावनाओं पर विशेष जोर दिया। सूत्रों के अनुसार, अमेरिका पाकिस्तान के खनिज भंडारों और ऊर्जा संसाधनों में निवेश की संभावनाओं पर नजर रखे हुए है। रुबियो ने कहा कि दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना समय की मांग है, और पाकिस्तान की रणनीतिक स्थिति इसे क्षेत्रीय व्यापार का केंद्र बनाती है।

रुबियो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज मैंने पाकिस्तानी उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार से मुलाकात की और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने तथा महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। मैंने आतंकवाद का मुकाबला करने और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने में पाकिस्तान की साझेदारी के लिए उनका धन्यवाद किया। इस मुलाकात में दोनों पक्षों ने आगामी

अमेरिका-पाकिस्तान आतंकवाद विरोधी संवाद पर भी चर्चा की जो अगस्त में इस्लामाबाद में आयोजित होने वाला है। इस संवाद का उद्देश्य आईएसआईएस -के जैसे आतंकी समूहों के खिलाफ सहयोग को और गहरा करना है।

पाक के प्राकृतिक खजाने : पाकिस्तान के प्राकृतिक खजाने देश की आर्थिक और रणनीतिक क्षमता का आधार हैं। हिमालय, काराकोरम और हिंदु कुश पर्वत श्रृंखलाओं से लेकर थार मरुस्थल और अरब सागर के तट तक, पाकिस्तान प्राकृतिक संसाधनों की विविधता से समृद्ध है। यहां कोयला, प्राकृतिक गैस, तांबा, सोना, लौह अयस्क और बेशकीमती रत्नों जैसे खनिजों के विशाल भंडार मौजूद हैं, जिनमें बलूचिस्तान का रेको दिक तांबा-सोना खनन क्षेत्र विश्व स्तर पर चर्चित है। इसके अलावा, सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियां जलविद्युत उत्पादन और कृषि के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन संसाधनों का दोहन, यदि प्रभावी ढंग से किया जाए, तो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है, जिसने हाल के वर्षों में वैश्विक निवेशकों, विशेष रूप से अमेरिका और चीन जैसे देशों का ध्यान आकर्षित किया है। अमेरिका अब इसी को भुनाना चाहता है।

पाकिस्तान की भूमिका और क्षेत्रीय स्थिरता पर बात : रुबियो ने पाकिस्तान की उस भूमिका की भी प्रशंसा की, जिसमें उसने ईरान के साथ मध्यस्थता में रचनात्मक योगदान दिया और क्षेत्रीय स्थिरता को बनाए रखने की प्रतिबद्धता दिखाई। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने बताया कि रुबियो ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच आपसी लाभकारी व्यापार को बढ़ाने और महत्वपूर्ण खनिज और खनन क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं को तलाशने की आवश्यकता है। इसके अलावा, दोनों नेताओं ने भारत और पाकिस्तान के बीच हाल के तनावों को कम करने में अमेरिका की भूमिका पर भी चर्चा की। इशाक डार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में भारत-पाकिस्तान तनाव को कम करने में की गई मध्यस्थता की सराहना की। डार ने कहा, हम अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा क्षेत्रों में और गहरा करना चाहते हैं। पाकिस्तान क्षेत्र और विश्व में शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए एक विश्वसनीय साझेदार बना रहेगा। यह मुलाकात उस समय हुई है, जब हाल ही में अमेरिका ने द रेसिस्टेंस फ्रंटको एक विदेशी आतंकवादी संगठनऔर विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी के रूप में घोषित किया। टीआरएफ को पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का एक मुखौटा माना जाता है, जिसने अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। हालांकि, इशाक डार ने ञ्चक्रञ्ज को लश्कर-ए-तैयबा से जोड़ने पर असहमति जताई और कहा कि लश्कर-ए-तैयबा को कई साल पहले खत्म कर दिया गया था और इसके सदस्यों को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था। उन्होंने दावा किया कि ञ्चक्रञ्ज का इससे कोई संबंध नहीं है।

गिस्लेन ने 100 लोगों से जुड़े सवालों के दिए जवाब, 20 साल की सजा काट रही है एपस्टीन की पूर्व साथी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में इन दिनों जेफ्री एपस्टीन की मौत का मामला लगातार से चर्चा में है। इसी बीच जेफ्री एपस्टीन की पूर्व प्रेमिका और अब जेल में बंद गिस्लेन मैक्सवेल ने अमेरिकी न्याय विभाग के अधिकारियों के साथ लगभग डेढ़ दिन तक चली पूछताछ में करीब 100 लोगों से जुड़े सवालों के जवाब दिए। उनके वकील डेविड ऑस्कर मार्कस ने बताया कि मैक्सवेल ने पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता से जवाब दिए, किसी भी सवाल से बचने की कोशिश नहीं की और किसी कानूनी विशेषाधिकार का हवाला नहीं दिया।

बता दें कि मैक्सवेल इस समय 20 साल की सजा काट रही हैं और फ्लोरिडा की एक लो-सेक्योरिटी जेल में बंद हैं। उन्हें तीन साल पहले इस आरोप में सजा हुई थी कि उन्होंने करोड़पति जेफ्री एपस्टीन की नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण में मदद की थी। मामले में शुक्रवार को जब उनसे गिस्लेन मैक्सवेल को माफी (पार्डन) देने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कोई सीधा जवाब नहीं दिया। मैक्सवेल के वकील ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप से किसी प्रकार की सौदेबाजी नहीं की, लेकिन उम्मीद जताई कि ट्रंप सही और न्यायसंगत फैसला लेंगे। इस बीच, न्याय विभाग ने स्पष्ट किया है कि कोई एपस्टीन क्लाइंट लिस्ट मौजूद नहीं है, और फिलहाल इससे जुड़ी कोई और जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाएगी। गिस्लेन मैक्सवेल ने अपने दोषसिद्धि के खिलाफ अपील भी दायर की है, जिसमें दावा किया गया है कि सरकार ने पहले ही यह वादा किया था कि एपस्टीन के किसी भी सहयोगी पर दोबारा केस नहीं चलेगा।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी सेना ने आईएस के बड़े आतंकी अल-हरदान को मार गिराया

वाशिंगटन, एजेंसी। उत्तर-पश्चिमी सीरिया में अमेरिकी नेतृत्व वाली सेना ने इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूह के एक बड़े नेता को मार गिराया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड की ओर से जारी बयान में कहा कि उसने सीरिया के अलेप्पो प्रांत के अल-बाब शहर में शुक्रवार तड़के आईएस नेता धिया जौबा मुस्लीह अल-हरदान और उसके दो वयस्क बेटों को मार गिराया, जो इस समूह से जुड़े थे। बयान के अनुसार घटनास्थल पर मौजूद तीन महिलाओं और तीन बच्चों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। मारे गए लोग अमेरिकी और गठबंधन सेनाओं के साथ-साथ नई सीरियाई सरकार के लिए भी खतरा पैदा कर रहे थे। ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था, सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि यह अभियान हवाई बलों के जरिये किया गया, जो इस साल आईएस के खिलाफ अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा किया गया।

मधेश प्रदेश में जल संकट, आपदा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने मधेश प्रदेश को जल संकट के कारण तीन महीनों के लिए आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित किया है। पीएम केपी शर्मा ओली ने शुक्रवार को हेलिकॉप्टर से बारा और महोत्तरी जिलों के सूखा प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मंत्री शरद सिंह भंडारी भी शामिल थे। ओली ने संकट दूर करना प्राथमिकता बताया।

यूरोप जा रही नाव लीबिया तट पर पलटी 15 लोगों की मौत

त्रिपोली , एजेंसी। लीबिया के तट के पास शुक्रवार तड़के 2 बजे एक प्रवासी नाव पलट गई। इसमें सवार मिस्र के 15 लोगों की मौत हो गई। नाव यूरोप जा रही थी। चालक दल के सदस्य दो सूडानी चालक दल के सदस्यों को बचाने में सफल रहे, लेकिन तीसरा लापता है। नाव पलटने का कारण नहीं पता चला है।

बाजार से लौट रहे 14 लोगों की बंदूकधारियों ने की हत्या

अबुजा, एजेंसी। मध्य नाइजीरिया के बोक्कोस क्षेत्र में साप्ताहिक बाजार से लौट रहे वाहन पर घात लगाकर सशस्त्र हमलावरों ने हमला कर दिया, जिसमें महिलाओं और शिशुओं सहित 14 लोगों की मौत हो गई। हमला बृहस्पतिवार दोपहर उस समय हुआ, जब हिंसाग्रस्त पठारी राज्य के लोकप्रिय बोक्कोस बाजार से लोग गाड़ी से लौट रहे थे। बोक्कोस सांस्कृतिक विकास मंच के अध्यक्ष फार्मासुम फुडांग ने कहा कि हमलावरों ने वाहन को रोका और फिर गोलीबारी शुरू कर दी। बता दें कि नाइजीरिया में हथियारबंद हमलावरों के द्वारा आम नागरिकों की हत्या के मामले आए दिन सामने आते रहते हैं।

स्टारलिंक नेटवर्क बाधित वैश्विक सेवाएं प्रभावित, 140 देशों के उपयोगकर्ता परेशान

वाशिंगटन, एजेंसी। अरबपति कारोबारी एलन मस्क की उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा स्टारलिंक के सर्वर को सबसे बड़े व्यवधान का सामना करना पड़ा। इसकी एक आंतरिक सॉफ्टवेयर नाकामी ने हजारों उपयोगकर्ताओं (यूजरों) को ऑफलाइन कर दिया। यह मस्क के शक्तिशाली उपग्रह इंटरनेट प्रणाली के लिए एक दुर्लभ रुकावट रही। इसकी वजह से 140 देशों में इंटरनेट सेवा बाधित हो गई। क्राउडसोर्स्ड आउटेज ट्रैकर डाउनडिटेक्टर के अनुसार, अमेरिका-यूरोप रुकावट का अनुभव करने लगे। उस वक्त साइट पर 61,000 लोगों को शिकायत आई, जो धीरे-धीरे बढ़ती गई। स्टारलिंक के 140 देशों और क्षेत्रों में करीब 60 लाख से ज्यादा यूजर्स हैं। इसके इंजीनियरिंग उपाध्यक्ष माइकल निकोल्स ने कहा, सेवा करीब 2.5 घंटे बाद फिर शुरू हुई। उन्होंने बाधा के लिए माफी मांगी।

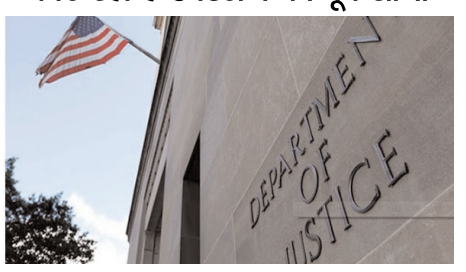

इजरायल ने सैनिकों के लिए इस्लाम और अरबी सीखना जरूरी कर दिया

तेलअवीव, एजेंसी। इजरायल डिफेंस फोर्स ने खुफिया विभाग के सैनिकों और अधिकारियों के लिए अरबी भाषा व इस्लामी स्टडी की ट्रेनिंग जरूरी कर दी है। रिपोर्ट में बताया गया कि 7 अक्टूबर, 2023 को हुई खुफिया विफलता को देखते हुए यह फैसला लिया गया। माना जा रहा है कि इस पहल से खुफिया अफसरों की जांच का दायरा और बढ़ेगा। अगले साल के अंत तक ञ्रह्म (इजरायल के सैन्य खुफिया निदेशालय का हिब्रू में नाम) के सभी कर्मियों से इस्लामी अध्ययन कराया जाएगा। साथ ही, 50 प्रतिशत कर्मियों को अरबी भाषा सिखाई जाएगी। यह आदेश अमन के प्रमुख मेजर जनरल श्लोमी बाइंडर ने जारी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, आईडीएफ के इस कार्यक्रम में हूती और इराकी बोलियों पर भी ध्यान दिया जाएगा। खुफिया कर्मियों को फिलहाल हूती में बातों को समझने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट में बताया गया कि यमन और अन्य अरब क्षेत्रों के ज्यादातर लोगों को कात (हल्का नशीला पौधा) चबाने की आदत है। इससे साफ बोलने में दिक्कत आने लगती है। सीनियर अधिकारी ने आर्मी रेडियो को बताया, अब तक हम संस्कृति, भाषा और इस्लाम के क्षेत्रों में सक्षम नहीं रहे हैं।

सीमा पर गोलाबारी जारी, मौत का आंकड़ा 32 तक पहुंचा यूएनने भी जताई चिंता

बैंगकॉक , एजेंसी। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर जारी तनावपूर्ण हालात अब खतरनाक मोड़ पर पहुंच गए हैं। कंबोडिया के अधिकारियों ने शनिवार को जानकारी दी कि सीमा पर संघर्ष के चलते 12 नई मौतें हुई हैं। इस तरह अब तक दोनों देशों में कुल 32 लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में सैनिकों के साथ-साथ आम नागरिक भी शामिल हैं। संघर्ष के चलते दोनों देशों के सीमावर्ती क्षेत्रों से हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी है। थाईलैंड के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक 58,000 से ज्यादा लोग प्रभावित जिलों से निकाले गए हैं। वहीं, कंबोडिया के अधिकारियों का कहना है कि करीब 23,000 लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने बंद कमरे में आपात बैठक बुलाई और दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की। कंबोडिया के संयुक्त राष्ट्र राजदूत ने संघर्ष को लेकर यूएन से तत्काल संघर्षविराम की अपील की और कहा कि उनकी ओर से आक्रामकता नहीं की गई। उधर, आसियान की अध्यक्षता कर रहे मलेशिया ने भी इस तनाव को खत्म करने के लिए मध्यस्थता की पेशकश की है। मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने बताया कि दोनों देशों ने संघर्षविराम की सैद्धांतिक सहमति दी है।

हवा में टला बड़ा विमान हादसा~टेकऑफ के तुरंत बाद जमीन पर गिरने लगी साउथवेस्ट की फ्लाइट, दो क्रू मेंबर घायल

लास वेगास, एजेंसी। अमेरिका में शुक्रवार को एक बड़ा हवाई हादसा टल गया, जब साउथवेस्ट एयरलाइंस की एक फ्लाइट टेकऑफ के कुछ ही मिनट बाद अचानक हवा में नीचे गिरने लगी। फ्लाइट नंबर 1496 कैलिफोर्निया के हॉलीवुड बरबैंक एयरपोर्ट से लास वेगास जा रही थी। इस घटना में दो फ्लाइट अटेंडेंट घायल हो गए हैं और उन्हें इलाज के लिए भेजा गया है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के अनुसार, विमान को हवा में एक अन्य विमान के नजदीक आने की चेतावनी मिली थी। एफएए ने बताया कि विमान को टक्कर से बचाने के लिए पायलट को पहले विमान को ऊंचाई पर ले जाना पड़ा और फिर अचानक नीचे लाना पड़ा ताकि टक्कर टाली जा सके। एयरलाइन ने बताया कि क्रू को दो बार अलर्ट मिला और उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए ऊंचाई में बदलाव किया। इस दौरान प्लेन में तेज झटका लगा और फ्लाइट अटेंडेंट चोटिल हो गए। विमान में सवाल कॉमेडियन जिमी डोर ने साझा किया अनुभव इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की तरह-तरह की प्रतिकियाएं सामने आने लगी। इसी में एक फ्लाइट में सवार कॉमेडियन जिमी डोर ने अपना डरावना अनुभव सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया। उन्होंने बताया कि टेकऑफ के कुछ ही देर बाद विमान को टक्कर

से बचाने के लिए पायलट को अचानक नीचे की ओर तेजी से लाना पड़ा। उन्होंने कहा कि पायलट ने हमें सूचना दी कि विमान की टक्कर होने की चेतावनी दी गई है और सामने से आ रहे एक विमान से बचने के लिए ऐसा करना जरूरी था। लोगों ने साझा किया डरावना अनुभव डोर ने बताया कि विमान की नीचे आने की गति इतनी तेज थी कि वे खुद और कई यात्री सीटों से उछलकर छत से टकरा गए। एक फ्लाइट अटेंडेंट को चोट लगी और उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता की ज़रूरत पड़ी। वहीं कुछ यात्रियों ने यह भी बताया कि प्लेन में सवार सभी लोग डर के मारे सहम गए थे। हालांकि डरावने अनुभव के बाद फ्लाइट ने लास वेगास में सुरक्षित लैंडिंग की। एयरलाइन ने बयान जारी कर कहा कि वह एफएए के साथ मिलकर मामले की पूरी जांच कर रही है। क्या है अब तक की जानकारी? जानकारी के अनुसार हादसा टेकऑफ के कुछ मिनट बाद हुआ। पायलट ने टक्कर से बचने के लिए तुरंत रिएक्शन दिया। घटना में दो फ्लाइट अटेंडेंट घायल हुए। फ्लाइट बाद में लास वेगास में सुरक्षित उतरी। हालांकि मामले में एफएए ने जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका में हवाई सुरक्षा को लेकर पहले से ही चिंता जताई जा रही है।

किसी तीसरे की जरूरत नहीं, युद्ध के बीच थाइलैंड ने अमेरिका-चीन को दे दिया टका सा जवाब

बैंकॉक , एजेंसी। थाइलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद को लेकर दो दिनों से चल रही जंग और भीषण हो गई है। अब तक 14 लोगों की जान जा चुकी है और मृतकों में ज्यादातर आम नागरिक हैं। दोनों देशों के सैनिकों ने सीमा पर एक दूसरे के खिलाफ गोलीबारी की। दोनों ने छोटे हथियारों से फायरिंग करते हुए तोप से गोले दागे और रॉकेट हमले किए। जंग बढ़ती देख अमेरिका, चीन और मलेशिया ने मध्यस्थता के लिए ऑफर दिया था, जिसे थाइलैंड जैसे छोटे से देश ने चीन और अमेरिका को टका सा जवाब दे दिया। थाइलैंड ने साफ कर दिया कि उसे किसी तीसरे की जरूरत नहीं है। हालांकि, बाद में मलेशिया का ऑफर स्वीकार कर लिया है। थाइलैंड के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने कंबोडिया के साथ चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए अन्य देशों की मध्यस्थता के प्रयासों को अस्वीकार कर दिया है और इस बात पर जोर दिया है कि नोम पेन्ह हमले बंद करे और स्थिति का समाधान केवल द्विपक्षीय वार्ता के जरिए ही हो। थाइलैंड के विदेश मंत्रालय के

प्रवक्ता निकोर्न्डेज बालनकुरा ने रॉयटर्स को बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और मलेशिया (जो आसियान क्षेत्रीय ब्लॉक का वर्तमान अध्यक्ष है) ने बातचीत को सुविधाजनक बनाने की पेशकश की है, लेकिन बैंकॉक संघर्ष का द्विपक्षीय समाधान चाहता है। थाइलैंड के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निकोर्न्डेज बालनकुरा ने रॉयटर्स को बताया, मुझे नहीं लगता कि हमें अभी किसी तीसरे देश की मध्यस्थता की जरूरत है। निकोर्नडेज ने कहा, हम अपने इस रुख पर कायम हैं कि द्विपक्षीय व्यवस्था ही सबसे अच्छा समाधान है, यह दोनों देशों के बीच टकराव है। उन्होंने आगे कहा कि कंबोडियाई पक्ष को पहले सीमा पर हिंसा रोकनी चाहिए। हमारे दरवाजे अभी भी खुले हैं। हालांकि, पहले ऑफर को ठुकराने के बाद थाइलैंड सरकार युद्धविराम का समर्थन करने के मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए तैयार हो गई है। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर लिखा, कोई भी युद्धविराम उचित जमीनी परिस्थितियों पर आधारित होना चाहिए। थाइलैंड नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है और इस समय, कंबोडिया की कार्रवाइयां सद्भावना की कमी को दर्शाती हैं और नागरिकों को खतरे में डाल रही हैं। शाही थाइ सरकार का दायित्व है कि वह अपनी संप्रभुता और अपने लोगों की पूरी तरह से रक्षा करे। वहीं, थाइलैंड के अधिकारियों ने कंबोडिया की सीमा से लगे आठ जिलों में मार्शल लॉ लागू कर दिया क्योंकि झड़पें दूसरे दिन भी जारी रहीं।

बातों से नहीं मानने वाले, हमास पर भड़क उठे डोनाल्ड ट्रंप, इजरायल को दी खुली छूट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आतंकी संगठन हमास को लेकर कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। ट्रंप ने इजरायल को खुली छूट देते हुए साफ कह दिया है कि वह गाजा में अपने सैन्य अभियान को तेज कर दे। असल में हमास ने अमेरिका समर्थित शांति वार्ता के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। इसके बाद ही डोनाल्ड ट्रंप भड़क उड़े हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यहां तक कह डाला कि यह आतंकी संगठन शांति का इच्छुक नहीं है। स्कॉटलैंड से निकलने से पहले ट्रंप ने कहाकि हमास को किसी भी बातचीत में रुचि नहीं है। मुझे लगता है कि वह मरना ही चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में बहुत ज्यादा बुरा है।

अमेरिकी प्रयासों को झटका : अमेरिकी गाजा पट्टी में शांति स्थापति करने के लिए प्रयासरत था। इसके लिए स्टीव विटकॉफ के नेतृत्व में मिडिल ईस्ट में शांति वार्ता के लिए एक दल भी भेजा गया था। लेकिन अब स्टीव विटकॉफ ने कह दिया है कि अमेरिका इस बातचीत से पीछे हट रहा है। उन्होंने कहा कि हमें अब किसी अन्य विकल्प के बारे में विचार करना चाहिए। इसके बाद ही अमेरिकी राष्ट्रपति की यह चेतावनी आई है। बता दें कि ट्रंप ने हमास के चंगुल में फंसे अंतिम अमेरिकी-इजरायली नागरिक एडन एलेक्जेंडर की रिहाई में अहम भूमिका निभाई थी। ट्रंप ने कहा कि बातचीत की अंतिम स्टेज पर हमास का

इस तरह इनकार करना दिखाता है कि वह हिंसा करने पर उतारू है। गाजा में हालात काफी ज्यादा खराब हैं। वहां पर बच्चे भूख से बेहाल हैं। इन सबके बीच ट्रंप ने संकेत दिया है कि अब डिप्लोमेसी से बात नहीं बनने वाली है। ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से कहा कि लड़ो इजरायली सैन्य अभियान में अमेरिका पूरी तरह से उसके साथ है। उन्होंने कहा कि अब हमास की खैर नहीं। इस बीच इजरायली प्रधानमंत्री ने भी अपनी बात कही है। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान में नेतन्याहू ने विटकॉफ की बात दोहराते हुए कहा कि हमास बंधक रिहाई समझौते में बाधा है। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा कि हम अपने अमेरिकी सहयोगियों के साथ मिलकर अब अपने बंधकों को घर वापस लाने, हमास के आतंकवादी शासन को समाप्त करने तथा इजरायल और हमारे क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के वैकल्पिक विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

ट्रंप और फेड प्रमुख पॉवेल के बीच कैमरे पर बहस, क्या कदम उठाएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति?

वाशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन डीसी में फेड की निर्माणाधीन इमारत के दौरे के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल के बीच तीखी बहस का वीडियो सामने आया है। ये बहस फेड की बिल्डिंग के नवीनीकरण खर्चों को लेकर हुई, जो कैमरे पर लाइव रिकॉर्ड हुई। वीडियो में देखा गया कि ट्रंप ने अधिक खर्च का दावा किया, तो पॉवेल ने कहा कि ट्रंप ने एक पुरानी इमारत को भी जोड़ा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फेडरल रिजर्व (अमेरिका के केंद्रीय बैंक) के प्रमुख जेरोम पॉवेल के बीच बहस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार सामने आ रहा है। यह बहस फेड की बिल्डिंग के नवीनीकरण खर्चों को लेकर हुई, जो कैमरे पर लाइव रिकॉर्ड हुई। यह पूरी घटना गुरुवार को उस समय हुई जब ट्रंप और पॉवेल वॉशिंगटन डीसी में फेड की निर्माणाधीन इमारत का दौरा कर रहे थे। वीडियो में देखा जा सकता है कि इमारत के दौरे के दरमियान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और जेरोम पॉवेल दोनों ने सफेद हेलमेट और सूट पहन रखे थे। बता दें कि यह पहली बार है जब बीते दो दशकों में कोई मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति फेडरल रिजर्व के मुख्यालय पहुंचा।

रेनोवेशन की बजट को लेकर हुई तीखी बहस : इस दौरान ट्रंप ने कहा कि फेड की इमारत का रेनोवेशन बजट से काफी ज्यादा लगभग 3.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इस पर पॉवेल ने आपत्ति जताते हुए

कहा कि ट्रंप ने एक तीसरी इमारत को भी जोड़ लिया है, जो 5 साल पहले ही बन चुकी है। इसके बाद ट्रंप ने जेब से एक कागज निकालकर दावा किया कि यह जानकारी फेड से ही मिली है। फेड का कहना है कि असली खर्च 2.5 अरब डॉलर है। पॉवेल ने कागज पढ़ा और कहा कि ट्रंप ने इसमें एक तीसरी बिल्डिंग भी जोड़ दी है जो पांच साल पहले ही बन चुकी है। ट्रंप ने जवाब में कहा कि वो बिल्डिंग बन रही है, जिस पर पॉवेल ने कहा कि नहीं, वो पांच साल पहले बन चुकी है ये नई नहीं है। इसके बाद ट्रंप ने दौरा खत्म करते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि फेड का निर्माण जल्दी पूरा हो और फेड ब्याज दरों में तेजी से कटौती करे।

ट्रंप ने जल्दी काम पूरा करने की बात पर दिया जोर : दौरे के बाद राष्ट्रपति टंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए निर्माणाधीन इमारत का काम जल्दी पूरा करने की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसे पूरा करो और उससे भी जरूरी है कि ब्याज दरों को नीचे लाया जाए। गौरतलब है कि पिछले कई महीनों से ट्रंप फेड प्रमुख पॉवेल की नीतियों की आलोचना करते रहे हैं। उन्होंने पॉवेल को हठी, ट्रंप विरोधी, और नासमझ जैसे शब्दों से भी निशाना बनाया है। इतना ही नहीं ट्रंप कई बार उन्हें हटाने की बात भी कह चुके हैं। क्या ट्रम्प पॉवेल को हटा सकते हैं? वहीं मामले में विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ट्रम्प फेड के वर्तमान अध्यक्ष पॉवेल को हटाने का अभूतपूर्व कदम उठाते हैं , तो उन्हें कानूनसम्मत तरीके से निष्कासन का कारण बताना होगा और अपने आरोपों को साबित करने के लिए साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जेल से छूटे पति ने दोस्त के साथ मिलकर पत्नी से किया गैंगरेप

हाथ-पैर बांधकर बेरहमी से पिटाई और हत्या की कोशिश, आरोपी पर पहले से 26 संगीन मामले दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कपोदरा इलाके से मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां जेल से छूटे एक दरिंदे पति ने अपने दोस्त के साथ मिलकर अपनी ही पत्नी के साथ गैंगरेप किया और फिर उसे जान से मारने की कोशिश की। कपोदरा पुलिस ने इस मामले में तेज कार्रवाई करते हुए आरोपी पति समेत उसके तीन साथियों को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया है।

घटना की शुरुआत उस वक्त हुई जब पीड़िता का पति जेल से छूटकर बाहर आया। आरोपी पहले ही 26 गंभीर मामलों में शामिल रह चुका है। उसे शक था कि जब वह जेल में था, तब उसकी पत्नी का किसी और व्यक्ति से संबंध था। इसी शक के आधार पर उसने अपनी पत्नी पर बर्बरता करने की साजिश रची।

गुरुवार, 24 जुलाई 2025 की रात करीब 9 बजे आरोपी पति ने पत्नी को डंडे और लात-घूंसे से बेरहमी से पीटना शुरू किया। अगले दिन, शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे वह अपने दोस्त महेश के साथ मिलकर पत्नी को घर से उठाकर दिनदयाल नगर के रूम नंबर 40 पर ले गया। वहां दोनों दरिंदों ने महिला की मर्जी के खिलाफ बारी-बारी से बलात्कार किया। इसके बाद भी उनका अत्याचार रुका नहीं। उन्होंने महिला के सिर पर नल की पाइप से वार किया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

गैंगरेप और गंभीर चोट पहुंचाने के बाद भी आरोपी संतुष्ट नहीं हुए। पति ने विजय उर्फ कच्चो (पूरा नामः विजय उर्फ कच्चो ईश्वरभाई राठौड़) और अप्पा (पूरा नाम:अप्पा जगन्नाथ वाघमारे) को बुलाया। चारों आरोपी महिला को एक रिक्शे में बिठाकर तापी नदी के किनारे पानी की टंकी के पास ले गए। वहां भी उन्होंने महिला की पिटाई की और उसके हाथ-पैर बांधकर नदी में फेंकने की कोशिश की। वे उसे मृतप्राय अवस्था में छोड़कर फरार हो गए।

गंभीर रूप से घायल महिला को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। होश में आने के बाद महिला ने कपोदरा थाने में पूरी घटना की शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत सर्विलांस टीम और अलग-अलग टीमें बनाकर चारों आरोपियों को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी:

1. मुख्य आरोपी पतिः उम्र 35 वर्ष, पेशे से ड्राइवर, मूल निवासी - शैलेम, तमिलनाडु। पहले से 26 संगीन अपराधों में लिप्त, कपोदरा क्षेत्र का कुख्यात अपराधी।

2.महेश उर्फ प्रीस कुमार उर्फ मुन्नो उर्फ महेश ओमप्रकाश क्षत्रियः उम्र 22 वर्ष, मजदूरी करता है। निवासी - कृष्णानगर सोसाइटी, दिनदयालनगर के सामने, अमीराज पान गल्ला के पास, कपोदरा। मूल निवासी - रामपुर गांव, गाजीपुर, उत्तर प्रदेश।

3.विजय उर्फ कच्चो ईश्वरभाई राठौड़: उम्र 29 वर्ष, गाड़ी सर्विस का काम करता है। निवासी - घर नं-311, दिनदयालनगर सोसाइटी, लक्ष्मणनगर के पास, कपोदरा।

4.अप्पा जगन्नाथ वाघमारे: उम्र 39 वर्ष, रिक्शा चालक। निवासी - घर नं-304, श्रीरामनगर सोसाइटी, लक्ष्मणनगर के पास, कपोदरा। मूल निवासी - वागेशिवनी गांव, बीड तालुका, औरंगाबाद, महाराष्ट्र।

कपोदरा पुलिस ने चारों के खिलाफ सामूहिक बलात्कार और हत्या के प्रयास जैसी गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की गहन जांच शुरू कर दी है।

नकली एवररेस्ट और मैगी मसाले बनाने वाली फैक्ट्री पर छापा

ब्रांडेड पैकिंग बॉक्स और मसाला बनाने की मशीनें जब्त, फैक्ट्री पिछले 5 महीनों से चल रही थी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर की ज़ोन-2 पुलिस और उधना पुलिस ने एक संयुक्त ऑपरेशन के तहत उधना के चामुंडा इंडस्ट्रियल एस्टेट में नकली एवररेस्ट और मैगी मसाले बनाने वाली एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने छापा मारकर 24,71,000 का माल जब्त किया और 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि फैक्ट्री मालिक को वॉन्टेड घोषित किया गया है।

पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह जानकारी सामने आई कि चामुंडा इंडस्ट्रियल एस्टेट स्थित एक फैक्ट्री में मशहूर ब्रांड्स के नकली मसाले बनाए जा रहे हैं। पुलिस की छापेमारी के दौरान फैक्ट्री में 4 मजदूरों को नकली मसाले बनाते और पैक करते हुए रंगेहाथ पकड़ा गया।

गिरफ्तार किए गए मजदूरों के नाम हैं:

१-विनोद राजेंद्र दास
२-केलु मुर्म
३-विनोद पुना दास
४-सुरेंद्रकुमार दास

इसके अलावा, फैक्ट्री का संचालन करने वाले सुनिल सोनी नाम के आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

जब्त माल में क्या शामिल है:

नकली एवररेस्ट और मैगी मसालों के रेडी पैकेट
पाउडर मसाले का स्टॉक
पैकिंग मटेरियल (ब्रांडेड बॉक्स और पाउच)
मसाला बनाने और पैकिंग की मशीनें

कुल जब्त माल की कीमत:24,71,000 पुलिस ने इस मामले में फैक्ट्री मालिक को वॉन्टेड घोषित करते हुए आगे की जांच शुरू कर दी है, ताकि नकली खाद्य पदार्थों के इस नेटवर्क की पूरी जानकारी मिल सके और उपभोक्ताओं की सेहत के साथ हो रहे खिलवाड़ को रोका जा सके।

गन लेकर घूम रहा था थार का ड्राइवर

पुलिस ने रोका तो भागा, झाड़ियों में छिपे खूंखार आरोपी को देसी तमंचे और कारतूस के साथ पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ और उदयपुर जिले में अपहरण के दो गंभीर मामलों में फरार चल रहे एक आरोपी को सूरत की उत्राण पुलिस ने देसी हथियार, तीन जिंदा कारतूस और थार गाड़ी समेत गिरफ्तार किया है। सूचना के आधार पर जब पुलिस ने थार कार को रोकने की कोशिश की तो ड्राइवर भाग गया और भरथाणा गांव के पास झाड़ियों में छिप गया, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। इस आरोपी की गिरफ्तारी से तीन आपराधिक मामलों का खुलासा हुआ है।

सूरत पुलिस कंट्रोल रूम से उत्राण पुलिस को सूचना मिली कि मोटा वराछा रिंगरोड पर एक काली थार कार (RJ-06) में एक व्यक्ति हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना के आधार पर उत्राण पुलिस मौके पर पहुंची और RJ-06-CF-3675 नंबर की थार को रोकने का प्रयास किया, लेकिन ड्राइवर ने गाड़ी नहीं रोकी और तेज रफ्तार में भरथाणा गांव की ओर भाग गया।

ड्राइवर गाड़ी को भरथाणा गांव के गंगामाता मंदिर के पीछे की गली में छोड़कर भाग गया। पुलिस ने थार कार तक पहुंचकर गाड़ी का बायां शीशा तोड़कर दरवाजा खोला और तलाशी ली तो उसमें RC बुक, ड्राइविंग लाइसेंस, एक मोबाइल फोन, एक जिंदा कारतूस (8 MM, KF लिखा हुआ), स्कूल के सर्टिफिकेट और एक खाली चेकबुक बरामद हुई। आरोपी फरार हो चुका था।

उत्राण पुलिस ने कार चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीम बनाकर तलाश शुरू की। इस दौरान सूचना मिली कि भरथाणा टी प्वाइंट के पास वेलेरियो होम्स सोसाइटी के पीछे झाड़ियों में एक व्यक्ति छिपा हुआ है। पुलिस ने वहां छापा मारा और आरोपी दिलीपसिंह प्रतापसिंह चुड़ावत (उम्र 31 वर्ष, पेशा - रसोई का काम) को देसी तमंचे और जिंदा कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया।

दिलीपसिंह पर राजस्थान के चित्तौड़गढ़ और उदयपुर में अपहरण के दो संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी से उत्राण और राजस्थान के तीन केस सुलझ गए हैं।

जब्त किया गया सामान:

देसी हाथ से बना एक तमंचा
3 जिंदा कारतूस
2 मोबाइल फोन
महिंद्रा कंपनी की थार कार
कुल बरामद सामग्री की कीमत: 10.20 लाख

लूट और हत्या की घटना के बाद पुलिस का सरप्राइज चेकिंग ऑपरेशन

बिना किराया अनुबंध के मकान किराए पर देने वाले 30 मकान मालिकों के खिलाफ केस दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन और सचिन GIDC क्षेत्र में हाल ही में हुई लूट और हत्या की वारदात के बाद पुलिस सक्रिय हो गई है। इस घटना के आरोपियों ने बिहार से आकर सुडा आवास में बिना किसी दस्तावेज या किराया अनुबंध के मकान किराए पर लेकर डेरा जमाया था। इस खुलासे के बाद पुलिस ने ऐसे मकान मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की है जिन्होंने बिना किसी वैध प्रक्रिया के मकान किराए पर दिए थे।

घटना के बाद सचिन और सचिन GIDC पुलिस थानों के क्षेत्रों में पुलिस द्वारा किराए के मकानों पर अचानक चेकिंग की गई। इस चेकिंग के दौरान 30 मकान मालिकों के खिलाफ यह बात सामने आई कि उन्होंने किराया अनुबंध या किसी प्रकार के दस्तावेज के बिना ही अपने मकान किराए पर दे दिए थे। इन सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है।

सचिन पुलिस थाना क्षेत्र में कुल 15 केस दर्ज किए गए हैं, जिनमें मकान मालिकों ने बिना किसी वैध दस्तावेज या किराया अनुबंध के किराएदारों को मकान दिया था। नियमों के अनुसार, जो लोग मकान किराए पर देते हैं, उन्हें किराया अनुबंध तैयार कराना अनिवार्य है और किराएदार की पूरी जानकारी (बायोडाटा) नजदीकी पुलिस स्टेशन में जमा करानी होती है या फिर गुजरात पुलिस की सिटीजन पोर्टल वेबसाइट (www.gujhome.gujarat.gov.in)या गुजरात पुलिस मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण करना होता है।इन नियमों का उल्लंघन करने वाले 15 मकान मालिकों/संचालकों के खिलाफ पुलिस ने जाहेरनामा भंग(नोटिफिकेशन उल्लंघन) के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने सभी मकान मालिकों को चेतावनी दी है कि भविष्य में ऐसी लापरवाही न हो और हर किराएदार का वैध रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है।

वलसाड LCB की बड़ी कार्रवाई

टाटा टेम्पो में प्लास्टिक सामान की आड़ में 12.37 लाख की अवैध विदेशी शराब जब्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड जिला लोकल क्राइम ब्रांच (एलसीबी) ने एक बार फिर अवैध शराब तस्करी पर करारा प्रहार किया है। प्लास्टिक के सामान की आड़ में अवैध रूप से ले जाई जा रही विदेशी शराब की एक बड़ी खेप को जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। जब्त माल की कुल कीमत करीब 21,00,940/- आंकी गई है।

पुलिस अधीक्षक डॉ. करणराज वाघेला (IPS) एवं आईजी प्रेमवीर सिंह (IPS) के निर्देश पर एलसीबी वलसाड की टीम गश्त कर रही थी, तभी गुप्त सूचना के आधार पर कुंडी फाटक ओवरब्रिज से पहले, बगलाबापा टी-स्टोर के सामने, नेशनल हाईवे 48 पर एक मरून रंग का टाटा टेम्पो (GJ-11-VV-8873) रोका गया। जांच में उसमें प्लास्टिक सामग्री के नीचे छिपाकर ले जाई जा रही विदेशी व्हिस्की और बियर के 126 बॉक्स (3024 बॉटल/टिन - कुल 1324.800 लीटर) बरामद किए गए।

गिरफ्तार आरोपी विद्याप्रसाद उर्फ अजीत फौरतुराम यादव (39 वर्ष), वर्तमान में पालघर (महाराष्ट्र) में रह रहा था, जबकि मूल रूप से उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर जिले का निवासी है। आरोपी से 1 मोबाइल फोन, टेम्पो, प्लास्टिक सामग्री और विदेशी शराब जब्त की गई।

जब्त माल का ब्यौरा:

1. टाटा टेम्पो (GJ-11-VV-8873)- 8,00,000/-
2. प्लास्टिक सामग्री - 58,500/-
3. विदेशी शराब (3024 बोतल/1324.8 लीटर) - 12,37,440/-
4. मोबाइल फोन - 5,000/-

कुल कीमत: 21,00,940/-

आरोपी का आपराधिक इतिहास भी उजागर

पकड़े गए आरोपी के खिलाफ पहले भी नवसारी जिला (चिखली थाने) में प्रोहीबिशन एक्ट व IPC की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज है।

वांछित आरोपी की तलाश जारी टेम्पो उपलब्ध कराने वाला एक अन्य व्यक्ति फरार है, जिसकी पहचान की जा रही है।

पूरी कार्रवाई में शामिल अधिकारी व टीम:

एलसीबी इंस्पेक्टर उत्सव बारोट, पीएसआई जे.जी. परमार, एएसआई रजनीकांत बारिया, कनकसिंह दयातर, ओमप्रकाशसिंह राजपूत और एपीसी नीतीन चौधरी की टीमवर्क से यह कार्रवाई सफल हुई।

डुंगरी थाने में आरोपी के खिलाफ प्रोहीबिशन एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

मुंबई की जेल में बंद आरोपी से मिली टिप पर सूरत में 4.5 लाख के हीरे ठग लिए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मुंबई की जेल में बंद आरोपी से मिलने गए नवी मुंबई के हीरा दलाल को सूरत के हीरा व्यापारी की जानकारी मिली थी। उसी सूचना के आधार पर हीरा दलाल ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर इंडिया मार्ट के जरिए हीरे की खरीद का बहाना बनाकर सूरत आकर व्यापारी से 60 कैरेट के 4.50 लाख रुपये के हीरे लिए और 15 मिनट में फरार हो गए थे।

इस मामले में क्राइम ब्रांच ने कामरेज के हलधरू गांव से हीरा दलाल भरत कर्षण कोंधोल (40) (निवासी - चिपलाग्राम, पनवेल, नवी मुंबई, मूल निवासी - मडाणगढ, बनासकांठा), पियूष सबूर आहीर उर्फ मीर (19) (निवासी - धनलक्ष्मी अपार्टमेंट, हलधरू गांव, कामरेज, मूल निवासी - वेजलका गांव, भावनगर) और विपुल उर्फ भावेश रामजी कापडी (37) (निवासी - सालासर सोसायटी, हलधरू गांव, कामरेज, मूल निवासी - गढ मंडाणा गांव, बनासकांठा) को गिरफ्तार किया है। इनमें मास्टरमाइंड भरत कोंधोल पहले भी महिधरपुरा, खतोदरा और मुंबई में ठगी के 6 मामलों में पकड़ा जा चुका है।

DCB स्टाफ ने बताया कि मुंबई में हीरा ठगी मामले में आरोपी अल्पेश नारन सुतरिया मुंबई की जेल में बंद था। उस दौरान नवी मुंबई का हीरा दलाल भरत कोंधोल और आरोपी अल्पेश की पत्नी जेल में उससे मिलने गए थे। जेल में अल्पेश सुतरिया ने हीरा दलाल को सूरत के हीरा व्यापारी की जानकारी दी थी। आरोपी ने सूरत के हीरा व्यापारी का मोबाइल नंबर देकर उससे लाखों के हीरे ठगने की योजना बताई थी। इसके लिए "इंडिया मार्ट" वेबसाइट पर "लालजी जेम्स" के नाम से 50 कैरेट CVD डायमंड की जरूरत का विज्ञापन डाला गया था।

आरोपी अल्पेश सुतरिया ने जेल जाने से पहले हीरा व्यापारी से हीरे की खरीद को लेकर बातचीत की थी। जिससे व्यापारी के पास अल्पेश का नंबर पहले से मौजूद था। बाद में जब अल्पेश जेल चला गया, तो उसका मोबाइल उसकी पत्नी इस्तेमाल कर रही थी। 14 जुलाई को हीरा दलाल ने अपने साथी पियूष आहीर और विपुल कापडी को घोड़दौड़ रोड के केनपस मॉल में भेजा, जहां व्यापारी को PUMA शोरूम के सामने बुलाकर 4.50 लाख रुपये के हीरे लिए और कहा कि "15 मिनट में पैसे लेकर आता हूं" - फिर तीनों मौके से फरार हो गए।